DELHI CRIME 31 may 2022:Layout 1 5/30/2022 6:50 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | मंगलवार 31 मई 2022 | पीडीएफ अंक-41 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –41 सूर्योदय – 5 : 23
न्यूनतम – 29 सूर्यास्त – 7 : 13

सोना चांदी

सोना – 52720.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 62200.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 55925.77 निफ्टी – 16661.40
रु/यूएस डॉलर – 77.56 रु/यूरो – 83.46

न्यूज फ्लैश

प्रधानमंत्री आज शिमला जाएंगे और 'गरीब कल्याण सम्मेलन' में लेंगे भाग

– पीएम किसान की 11वीं किस्त करेंगे जारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को शिमला में गरीब कल्याण सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री इस दौरान देश भर के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और विभिन्न मंत्रालयों के लाभार्थियों से भी संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री पीएम-किसान की 11वीं किस्त भी जारी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को शिमला (हिमाचल प्रदेश) का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग 11 बजे गरीब कल्याण सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन (राजग) सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह अनूठा सार्वजनिक कार्यक्रम देश भर में राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों में आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में प्रतिक्रिया प्राप्त करने के प्रयास में देश भर में निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को जनता के साथ सीधे बातचीत करने की अवधारणा देता है। 'गरीब कल्याण सम्मेलन' सुबह करीब 09:45 बजे शुरू होगा जिसमें मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, राज्य मंत्रियों, संसद सदस्यों, विधान सभा के सदस्यों और अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने देश भर में अपने-अपने स्थानों पर जनता से सीधे बातचीत की। लगभग 11 बजे प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के साथ, विभिन्न राज्य और स्थानीय स्तर के कार्यक्रमों को कवर किया जाएगा और सम्मेलन को राष्ट्रीय बना दिया जाएगा। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री भारत सरकार के नौ मंत्रालयों और विभागों के विभिन्न कार्यक्रमों के लाभार्थियों से सीधे संवाद करेंगे। देश भर में आयोजित की जा रही फ्रीव्हीलिंग बातचीत का उद्देश्य जनता से स्वतंत्र और स्पष्ट प्रतिक्रिया प्राप्त करना, लोगों के जीवन में कल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव को समझना और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के संबंध में अभिसरण और संतृप्ति का पता लगाना है। देश के नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए सरकारी कार्यक्रमों की पहुंच और वितरण को और अधिक कुशल बनाने का प्रयास है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत वित्तीय लाभ की 11वीं किस्त भी प्रधानमंत्री जारी करेंगे। इससे 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को लगभग 21,000 करोड़ रुपये की राशि का हस्तांतरण हो सकेगा। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री देश भर में (पीएम-किसान) के लाभार्थियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

यूपीएससी परीक्षा की टॉपर श्रुति को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2021 में प्रथम स्थान हासिल करने पर श्रुति शर्मा और अन्य सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को बधाई दी। उन्होंने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि यह गौरवशाली उपलब्धि आप सभी के कठोर परिश्रम, अटूट ध्येयनिष्ठा एवं धैर्य का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री ने सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में श्रुति ने प्रथम स्थान हासिल कर राज्य का गौरव बढ़ाया है। बिजनौर जिले में जन्मीं श्रुति ने दिल्ली से पढ़ाई की है।

ज्ञानवापी शृंगार गौरी मामले में अब चार जुलाई को होगी सुनवाई

-प्रतिवादी पक्ष का दावा- ज्ञानवापी परिसर वक्फ की संपत्ति

वाराणसी। ज्ञानवापी शृंगार गौरी प्रकरण में सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच वाराणसी के जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जिला अदालत याचिका की पोषणीयता (याचिका सुनने योग्य है या नहीं) पर विचार कर रही है। अदालत ने प्रतिवादी पक्ष की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई की अगली तारीख 04 जुलाई को मुकर्रर की। इसके पहले प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से मुकदमें को खारिज करने के पक्ष में दलीलें पेश की गईं। प्रतिवादी पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर के अंदर सर्वे के दौरान मिले शिवलिंगनुमा आकृति और उनकी पूजा करने के दावे पर आपत्ति जताई। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी पक्ष ने वर्ष 1937 के दीन मोहम्मद बनाम राज्य सचिव के मुकदमे का निर्णय पढ़ा और कहा कि अदालत ने मौखिक गवाही एवं दस्तावेजों के आधार पर फैसला किया था कि यह पूरा परिसर (ज्ञानवापी मस्जिद परिसर) मुस्लिम वक्फ का है। मुसलमानों को इसमें नमाज अदा करने का अधिकार है। प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ता अभयनाथ यादव ने दावा किया कि ज्ञानवापी मस्जिद वक्फ की संपत्ति है। इस दौरान वादी पक्ष के अधिवक्ता हरिशंकर जैन और उनके पुत्र अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन भी मौजूद रहे। बताया गया कि मसाजिद कमेटी की ओर से इस मामले को खारिज करने के पक्ष में दलीलें भी पूरी नहीं हुई हैं। अगली सुनवाई में दलीलें पूरी होने के बाद वादी पक्ष और जिला शासकीय अधिवक्ता पक्ष रखेंगे। उल्लेखनीय है कि 18 अगस्त 2021 को दिल्ली की राखी सिंह सहित पांच महिलाओं ने सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में याचिका दायर कर ज्ञानवापी परिसर स्थित शृंगार गौरी सहित अन्य विग्रहों के पूजन के अधिकार की मांग की थी। अदालत के आदेश पर ज्ञानवापी परिसर में एडवोकेट कमीशनर की कार्यवाही हुई, जिसकी रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल है। वहीं, प्रतिवादी पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट से मूल वाद की मेरिट पर सुनवाई और सर्वे को रोकने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने मेरिट पर सुनवाई से इनकार करते हुए मुकदमे को जिला जज की अदालत में स्थानांतरित कर दिया था। इसके बाद जिला जज की अदालत में 26 मई और आज सुनवाई हुई।

कोरोनाकाल में विश्व के लिए उम्मीद की किरण बना भारत : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर कोरोना काल में हार नहीं मानने की प्रवृत्ति को भारतीयों की ताकत बताया। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान नकारात्मकता के माहौल में भारत ने अपने सामर्थ्य पर भरोसा किया और दुनिया के लिए चिंता नहीं, बल्कि उम्मीद की किरण बनकर उभरा। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को कोरोना में अनाथ हुए बच्चों के लिए पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाओं को जारी करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने उन बच्चों के जीवन में आ रही कठिनाइयों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की जिन्होंने कोरोना के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। उन्होंने बच्चों से कहा कि वह प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य के तौर पर उनसे संवाद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से योजना की शुरूआत करते हुये कहा कि पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना ऐसे कोरोना प्रभावित बच्चों की मुश्किलें कम करने का एक छोटा सा प्रयास है, जिनके माता और पिता या दोनों नहीं रहे। यह योजना इस बात का भी प्रतिबिंब है कि हर देशवासी पूरी संवेदनशीलता से आपके साथ हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि अगर किसी को प्रोफेशनल कोर्स या उच्च शिक्षा के लिए एजुकेशन लोन की जरूरत है तो उसमें भी पीएम-केयर्स मदद करेगा। अन्य दैनिक जरूरतों के लिए भी अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से उनके लिए हर माह 4 हजार रुपये की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में आगे उन्होंने कहा कि 23 वर्ष की आयु पूरी करने करने पर 10 लाख रुपये के अलावा बच्चों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य बीमा और संवाद हेल्पलाइन के जरिये भावनात्मक परामर्श दिया जाएगा, ताकि मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक मदद की जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस फंड ने कोरोना काल में अस्पतालों को तैयार करने, वेंटिलेटर्स खरीदने और ऑक्सिजन प्लांट लगाने में भी बहुत मदद की। इससे अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सका

और कई परिवारों का भविष्य बचाया जा सका। प्रधानमंत्री ने कहा कि निराशा के अंधकारमय वातावरण में भी यदि हम स्वयं पर विश्वास करें तो प्रकाश की एक किरण अवश्य दिखाई देती है। उन्होंने भारत को ही इसका सबसे बड़ा उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने बच्चों को सलाह दी कि निराशा को हार में न बदलने दें। प्रधानमंत्री ने बच्चों को सलाह दी कि वे अपने बड़ों और शिक्षक का कहा मानें। इस कठिन समय में अच्छी किताबें उनकी विश्वसनीय दोस्त हो सकती हैं। प्रधानमंत्री ने उन्हें रोग मुक्त रहने और खेलो इंडिया व फिट इंडिया मूवमेंट का नेतृत्व करने के लिए भी कहा। साथ ही योग दिवस में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। भारत में कोरोना रोधी टीका तैयार करने से लेकर अनाज आदि उपलब्ध कराने के कदमों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नकारात्मकता के उस माहौल में भारत ने अपने सामर्थ्य पर भरोसा किया। हमने अपने वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, अपने युवाओं पर भरोसा किया और हम दुनिया के लिए चिंता नहीं, बल्कि उम्मीद की किरण बनकर निकले। उन्होंने कहा कि हम समस्या नहीं बने, बल्कि हम समाधान देने वाले बने। हमने दुनिया भर के देशों को दवाइयां भेंजी, वैक्सीन्स भेजीं। अपने इतने बड़े देश में भी हम हर एक नागरिक तक वैक्सीन लेकर गए। हमारा देश सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है और दुनिया नई उम्मीद और विश्वास के साथ हमारी ओर देख रही है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन (राजग) सरकार के आठ साल पूरे होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन आठ सालों में देश का आत्मविश्वास, देशवासियों का खुद पर भरोसा बढ़ा है। भ्रष्टाचार, हजारों करोड़ के घोटाले, भाई-भतीजावाद, देशभर में फैल रहे आतंकी संगठन, क्षेत्रीय भेदभाव, जिस कुचक्र में देश 2014 से पहले फंसा हुआ था, उससे बाहर निकल रहा है। स्वच्छ भारत मिशन, जन धन योजना या हर घर जल अभियान जैसी कल्याणकारी नीतियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से आगे बढ़ रही है। पिछले 8 साल गरीबों के कल्याण और सेवा के लिए समर्पित रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, "परिवार के एक सदस्य के रूप में हमने कठिनाइयों को कम करने और देश के गरीबों के लिए जीवन की सुगमता में सुधार करने की कोशिश की है।" उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ाकर सरकार ने गरीब को उसके अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अब गरीब से गरीब को भरोसा है कि सरकार की योजनाओं का लाभ उसे मिलेगा, निरंतर मिलेगा। इस भरोसे को बढ़ाने के लिए ही हमारी सरकार अब शत प्रतिशत सशक्तिकरण का अभियान चला रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले आठ वर्षों में जितनी ऊंचाइयां हासिल की हैं, उसकी पहले किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आज दुनिया भर में भारत का गौरव बढ़ा है, वैश्विक मंचों पर भारत की ताकत बढ़ी है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि युवा शक्ति भारत की इस यात्रा का नेतृत्व कर रही है।

दिल्ली को स्वच्छ रखने के लिए उपराज्यपाल को लिखा पत्र

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को स्वच्छ रखने के तरीकों पर चर्चा के लिए उपराज्यपाल विनय सक्सेना को पत्र लिखा है। आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली में साफ-सफाई और कूड़े के पहाड़ एक गंभीर समस्या है। इन मुद्दों पर चर्चा करना बेहद जरूरी है। एमसीडी की मुख्य जिम्मेदारी, दिल्ली की स्वच्छता को लेकर हमारे पास कई सुझाव हैं जो प्रभावी साबित हो सकते हैं। उपराज्यपाल थोड़ा समय निकालकर हमारे साथ चर्चा के लिए अवश्य बैठेंगे। उन्होंने कहा कि खुद केंद्र सरकार के सर्वे में दिल्ली देश का सबसे गंदा राज्य बताया गया। हमारी चर्चा का पहला मुद्दा यही है। मैं और मेरी टीम पिछले तीन सालों से एमसीडी पर काम कर रहे हैं और हमारे पास कई सुझाव हैं जिसपर हम उपराज्यपास जी से चर्चा करना चाहेंगे। देश-विदेश में कूड़े के खात्में के लिए कई तरीके निकाले गए जो सफल भी हुए। इनमें

से कुछ तरीकों को हमने स्टडी किया है। कूड़े को हर घर से नियमित रूप से समय पर उठाया जाए और दिल्ली में गंदगी की समस्या न हो, यह हमारा दूसरा मुद्दा है। कूड़ा उठाने के बाद एमसीडी उसे दिल्ली के तीनों पहाड़ों पर फेंकती है, जो अपने आप में एक बहुत बड़ी समस्या है। इन मुद्दों पर चर्चा करना बेहद जरूरी है। एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि हर घर से प्रतिदिन समय पर कूड़ा उठाया जाए और साथ ही उस कूड़े को ठीक से प्रॉसेस किया जाए जिससे दिल्ली में कूड़े के पहाड़ न लगें। हमारे पर इससे संबंधित कई सुझाव हैं।

समुद्री तैयारियों पर रक्षा मंत्री ने दिया जोर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लगातार विकसित हो रही वैश्विक स्थिति के कारण भारत की समुद्री सुरक्षा जरूरतों में बदलाव आया है। उन्होंने समुद्री तैयारियों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हमेशा बदलती वैश्विक स्थिति में समुद्री तैयारी जरूरी है। इससे ही राष्ट्र के आर्थिक और रणनीतिक हितों की रक्षा होगी। पिछले कुछ वर्षों में आईसीजी ने तटीय सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी वजह से समुद्री मार्ग से कोई आतंकी गतिविधि नहीं हो पाई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय तटरक्षक बल के तीन दिवसीय 39वें कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने आईसीजी के व्यावसायिकता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि इसके अद्वितीय प्रदर्शन ने इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ और सबसे बड़े तटरक्षकों में

से एक बना दिया है। राजनाथ सिंह ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों को याद करते हुए कहा कि लंबे समय तक देश की तटीय सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया था। पिछले कुछ वर्षों में आईसीजी ने तटीय सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं प्रयासों के कारण देश ने मुंबई हमलों के बाद से समुद्री मार्ग से कोई आतंकी गतिविधि नहीं देखी है। भू-राजनीतिक तनाव और सामरिक हितों के टकराव ने पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों को जन्म दिया है। आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी और पायरेसी आज हमारे सामने कुछ गैर-पारंपरिक चुनौतियां हैं, जिनसे पूरा क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। जिम्मेदार समुद्री शक्ति होने के नाते भारत नियम-आधारित, शांतिपूर्ण और स्थिर वातावरण बनाने में दिलचस्पी रखता है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक समृद्धि दोनों के लिए आवश्यक है। ऐसे में आईसीजी की बड़ी भूमिका होती है। हिंद महासागर क्षेत्र दुनिया के तेल शिपमेंट के दो-तिहाई से अधिक के लिए जिम्मेदार है। इससे होकर एक तिहाई बल्क कार्गो और आधे से अधिक कंटेनर ट्रैफिक गुजरते हैं। इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा न केवल हमारे आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी हुई है, बल्कि यह भारत को आईओआर में मजबूत भूमिका में उभारते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की वास्तविक क्षमता तभी सामने आ सकती है, जब देश को एक सुरक्षित, सुरक्षित और नियम-आधारित समुद्री वातावरण प्रदान किया जाए। उन्होंने आईसीजी को यह क्षमता हासिल करने के लिए देश की विशाल तटरेखा और विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के साथ व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में प्रयास करने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि मुख्य भूमि के संसाधनों पर दबाव बढ़ने पर दुनिया भर के देश जीविका के लिए समुद्र की ओर रुख कर रहे हैं। समुद्री अन्वेषण, संसाधन दोहन और संरक्षण की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा गहरे समुद्र की खोज ने समुद्री संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है।

पार्टी में राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर कोई मतभेद नहीं : नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को बिहार विधानसभा सचिव के कार्यालय में राज्यसभा चुनाव के लिए जदयू उम्मीदवार खीरू महतो के नामांकन में शामिल हुए। नामांकन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोगों से विचार विमर्श के बाद ही जदयू के उम्मीदवार की घोषणा की गई। आरसीपी सिंह ने भी आज अपनी बात कही है। पार्टी के अध्यक्ष ने भी कल अपनी बात कही थी। पार्टी में राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर कोई मतभेद नहीं है। सीएम ने कहा कि राजग उम्मीदवार खीरु महतो का नामांकन हो गया है। राजग के बाकी उम्मीदवारों का नामांकन प्रोसेस में है। यह खुशी की बात है कि नामांकन के अवसर पर इतने सारे राजग के नेता उपस्थित हैं।हमलोगों की इच्छा हुई कि झारखंड के अपने पुराने साथी को इस बार राज्यसभा भेजें। हमलोगों ने सोचा

कि बगल के राज्य के साथी को भी एक मौका देना जरुरी है। यही सब सोच कर जदयू ने खीरु महतो को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। इसको लेकर किसी को भी ऐतराज नहीं है, सभी को खुशी है। नीतीश कुमार ने कहा कि आरसीपी सिंह ने खुद भी अपनी बात कहते हुए इस पर ऐतराज नहीं जताया है। उनको पार्टी ने शुरू से काफी अवसर दिया है। जब वे आईएएस अफसर थे तब भी वे मेरे साथ थे ।राज्यसभा गये तब भी साथ ही थे । पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी उन्हें बनाया गया। अभी वे केंद्र सरकार में मंत्री हैं। सभी लोग पार्टी में एक साथ हैं। इस बार पार्टी ने निर्णय लिया कि पुराने साथी को एक मौका दिया जाये। राज्यसभा का सदस्य नहीं रहने पर केंद्रीय मंत्रिमंडल से आरसीपी सिंह के इस्तीफा देने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी राज्यसभा के सदस्य के रूप में सिंह का कार्यकाल बाकी है। यह चुनाव समय से पहले हो रहा है। जब तक उनका राज्यसभा का कार्यकाल है तब तक तो वे मंत्री बने ही रह सकते हैं। तुरंत इस्तीफा देने का क्या मतलब है? पार्टी में आरसीपी सिंह की भूमिका के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी में उनकी भूमिका है ही। पार्टी में सभी लोगों को जिम्मेवारी मिलती रही है।केंद्र सरकार में जदयू की ओर से किसी और को मंत्री बनाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सब आगे की चीज है। अभी की चीज नहीं है। किसी चीज को मांगने की जरुरत नहीं है। समय आने पर ये सब चीजें क्लियर हो जायेंगी ।

गाजीपुर सैनिटरी लैंडफिल साइट का दौरा करने पहुंचे उपराज्यपाल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने गाजीपुर में सैनिटरी लैंडफिल साइट का दौरा किया और अधिकारियों को अगले तीन दिनों के भीतर गाजीपुर, भलस्वा और ओखला स्थित तीनों कचरा पहाड़ों को पूरी तरह से हटाने के लिए कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कार्य पूरा करने की एक निश्चित तिथि का उल्लेख करते हुए कार्य योजना तैयार करने के लिए अधिकारियों की एक समर्पित टीम का गठन किया जाए। उन्होंने रिवर्स इंजीनियरिंग मॉडल को अपनाने का भी सुझाव दिया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि तय समय सीमा पर पूरी हो और लक्ष्यों को हासिल किया जा सके। साइट पर जैव-उपचार के चल रहे कार्य की समीक्षा करते हुए, जिसमें कचरे को अलग करना और पुनर्नवीनीकरण कचरे को उठाना भी शामिल है, उपराज्यपाल ने निर्देश दिया कि गाजीपुर अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्र को जल्द से जल्द चालू किया जाए ताकि राशि की मात्रा साइट पर जोड़ा जा रहा ताजा कचरा कम हो गया है। वहीं, पिछले साल गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत 2.0 के शुभारंभ के अवसर पर इन कचरे के टीले को

साफ करने के प्रधान मंत्री के आह्वान को याद करते हुए, उपराज्यपाल ने दिल्ली में पूरी सरकारी मशीनरी को इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। यह रेखांकित करते हुए कि इसमें हुई चूक को अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा और उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। उपराज्यपाल ने एमसीडी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तीनों स्थलों गाजीपुर, भलस्वा और ओखला पर अपने प्रयासों के परिणामस्वरूप प्राप्त टीलों की ऊंचाई में कमी को नियमित रूप से सार्वजनिक करें।

कोरोनाकाल में माता-पिता को खोने वाले बच्चों के साथ है सरकार: जयशंकर

वडोदरा/अहमदाबाद। कोरोना अवधि के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को केन्द्र सरकार की पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत आर्थिक मदद दी गई है। इस योजना के तहत वडोदरा जनपद के. ऐसे 17 बच्चों के पोस्टआफिस खाते में 1.70 करोड़ रुपये भेज दिए गए हैं। वडोदरा में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर उपस्थिति रहे। सोमवार को लाभार्थी बच्चों को प्रमाणपत्र के साथ योजना से संबंधित किट भी दी गई। इस मौके पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि इन बच्चों ने दुर्भाग्य से कोरोना के कारण अपने माता-पिता को खो दिया है लेकिन सरकार उनके

साथ हैं। इस योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक बच्चे के पोस्ट आफिस के खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि जमा की गई। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने वडोदरा के 17 बच्चों को एक किट सौंपी। इस किट में बच्चों पोस्ट ऑफिस पासबुक, बच्चों के लिए प्रधानमंत्री का पत्र, बच्चों का पीएमजे स्वास्थ्य कार्ड (आयुष्मान कार्ड), पीएमसीर्स प्रमाण पत्र, स्नेह पत्र था। उल्लेखनीय है कि पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत वडोदरा के 17 बच्चों को 1.70 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। इस योजना के तहत 23 वर्ष की आयु पूरी करने पर प्रत्येक बच्चे को 10 लाख रुपये की सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में सांसद रंजनबेन भट्ट, राज्य मंत्री मनीषा बेन वकील, विधायक सर्व जीतूभाई सुखाड़िया के अलावा पीएम केयर की गाइडलाइन के अनुसार बच्चों के अभिभावक के रूप में जिलाधिकारी एबी गोर, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शंकरलाल और समिति के सभी सदस्य भारतीबेन बारोट, घनश्याम सोलंकी, मणिलाल वाचानी, शैलेश सिंह परमार और इलाबेन व्यास आदि उपस्थित थे।

कर्नाटक में राकेश टिकैत पर फेंकी गई स्याही, तीन लोगों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। कर्नाटक पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत और युद्धवीर सिंह को नाराजगी का सामना करना पड़ा। खबर है कि कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं पर स्याही फेंकी गई। टिकैत का कहना है कि किसान नेता चंद्रशेखर के समर्थकों ने उनपर स्याही फेंकी थी। राजधानी बेंगलुरु में जारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटना के बाद काफी हंगामा हुआ। हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन ने जानकारी दी कि बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में टिकैत पर स्याही फेंकने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, टिकैत और सिंह कर्नाटक के किसान नेता कोडिहल्ली चंद्रशेखर के स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े वीडियो को लेकर सफाई दे रहे थे। यह स्टिंग ऑपरेशन एक चैनल ने किया था, जिसमें कोडिहल्ली पैसों की मांग करते नजर आ रहे थे। टिकैत ने 'स्याही हमले' के आरोप राज्य सरकार पर लगाए हैं। उन्होंने कहा, 'यहां स्थानीय पुलिस की तरफ से कोई सुरक्षा नहीं दी गई थी। यह सब सरकार की मिलीभगत से हुआ है खबर है कि दोनों नेता प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह सफाई दे रहे थे कि वे इस मामले में शामिल नहीं हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसान नेता कोडिहल्ली के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

सम्पादकीय

दम तोडती निष्पक्ष मिशनरी पत्रकारिता!

सुबह का अखबार या फिर समाचार चैनल कैसा हो? समाचार पत्रों व समाचार चैनलों पर क्या परोसा जाए? क्या नकारात्मक समाचारों से परहेज कर सकारात्मक समाचारों की पत्रकारिता संभव है? क्या धार्मिक समाचारों को समाचार पत्रों में स्थान देकर पाठको को धर्मावलम्बी बनाया जा सकता है? ब्रहमाकुमारीज के मीडिया सम्मेलनों में प्रायः एक स्वर में निर्णय लिया गया है कि व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय उन्नति के लिए उज्जवल चरित्र व सांस्कृतिक निर्माण के सहारे सकारात्मक समाचारों को प्राथमिकता देकर मीडिया सामग्री में व्यापक बदलाव किया जाए। विकास से सम्बन्धित समाचारों, साक्षता, संस्कृति, नैतिकता और आध्यात्मिक मूल्य जैसे मुददों का समावेश कर स्वस्थ पत्रकारिता का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। आज देशभर में हजारों समाचार पत्र व 700 से अधिक चैनल चल रहे है। जिनमें से कई समाचार पत्र व चैनल ऐसे है जो समाज के सुद्दढीकरण के लिए खतरनाक है। इन समाचार पत्रों व चैनलों पर इतनी अश्लीलता पड़ोसी जाती है जिस कारण उसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर पढ़ व देख नही सकता। ऐसे समाचार पत्रों व चैनलों पर कोई रोक भी नही है। इसलिए ऐसे समाचार पत्रों व चैनलों को ऐसी आपत्तिजनक सामग्री परोसने के बजाए समग्र परिवार हित की सामग्री परोसने पर विचार करना चाहिए। ऐसे समाचारों को परोसने से परहेज करना चाहिए जिसको चैनल पर देखकर या फिर अखबार में पढकर मन खराब होता हो या फिर दिमाग में तनाव उत्पन्न होता हो। आज के बदलते दौर में हिन्दी पत्रकारिता के भी मायने बदल गए है। दुनिया को मुठठी में करने के बजाए पत्रकारिता गली मोहल्लो तक सिकुडती जा रही है। अपने आप को राष्ट्रीय स्तर का बताने वाले समाचार पत्र क्षेत्रीयता के दायरे में और क्षेत्रीय स्तर का बताने वाले समाचार पत्र स्थानीयता के दायरे में सिमटते जा रहे है। जो पत्रकारिता के लिए शुभ संकेत नही है। सही मायने में पत्रकारिता का अर्थ अपनी और दुसरों की बात को दूर तक पंहुचाना है।साथ ही यह भी जरूरी है कि किस घटना को खबर बनाया जाए और किसे नही? आज की पत्रकारिता बाजारवाद से ग्रसित होने के साथ साथ मूल्यों की द्दष्टि से रसातल की तरफ जा रही है। बगैर कार्यक्रम हुए ही कपोल कल्पित कार्यक्रम की खबरे आज अखबारो की सुर्खिया बनने लगी है,सिर्फ नाम छपवाने के लिए जारी झूठी सच्ची विज्ञप्तियों के आधार पर एक एक खबर के साथ बीस बीस नाम प्रकाशित किये जाने लगे है जो पत्रकारिता की विश्वसनीयता को न सिर्फ प्रभावित कर रहे है बल्कि ऐसी पत्रकारिता पर सवाल उठने भी स्वाभाविक है। इसके पीछे अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि जितने ज्यादा नाम प्रकाशित होगे, उतना ही ज्यादा अखबार बिकेगा, लेकिन यह पत्रकारिता के स्वास्थ्य के लिए ठीक नही है । ठीक यह भी नही है कि प्रसार संख्या बढाने की गरज से समाचार पत्र को इतना अधिक स्थानीय कर दिया जाए कि वह गली मोहल्ले का अखबार बन कर रह जाए। आज हालत यह है कि ज्यादातर अखबार जिले और तहसील तक सिमट कर रह गए है। यानि एक शहर की खबरे दूसरे शहर तक नही पंहुच पाती।उत्तराखण्ड के सीमावर्ती कस्बे गुरूकुल नारसन और मुजफफरनगर जिले के पुरकाजी कस्बे में मात्र 4 किमी का अन्तर है लेकिन जिला और प्रदेश बदल जाने के कारण एक कस्बे की खबरे दूसरे तक नही पंहुच पाती है।इससे पाठक स्वयं को ठगा सा महसूस करता है। ऐसा नही है कि स्थानीय खबरो की जरूरत न हो, लेकिन यदि एक अखबार में 4से 6 पेज स्थानीय खबरो के होगे तो पाठक को क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय खबरे कम पढने को मिलेगी जो उनके साथ अन्याय है। वैसे भी खबर वही है, जो दूर तक जाए यानि दूरदराज के क्षेत्रो तक पढी जाए। दो दशक पहले तक स्थानीय खबरो पर आधारित समाचार पत्र बहुत कम थे। पाठक राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों पर निर्भर रहता था। वही लोगो की अखबार पढने में रूची भी कम थी। स्थानीय अखबारो ने पाठक संख्या तो बढाई है लेकिन पत्रकारिता के स्तर को कम भी किया है। आज पीत पत्रकारिता और खरीदी गई खबरो से मिशनरी पत्रकारिता को भारी क्षति हुई है। जिसे देखकर लगता है जैसे पत्रकारिता एक मिशन न होकर बाजार का हिस्सा बनकर गई हो। पत्रकारिता में परिपक्व लोगो की कमी,पत्रकारिता पर हावी होते विज्ञापन,पत्रकारो के बजाए मैनेजरो के हाथ में खेलती पत्रकारिता ने स्वयं को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जरूरी है पत्रकारिता निष्पक्ष हो लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है ऐसी खबर जो सच होते हुए भी राष्ट्र और समाज के लिए हानिकारक हो, तो ऐसी खबरो से परहेज करना बेहतर होता है।

उपलब्धि : अब ओलम्पिक में स्वर्ण जीतना है निकहत जरीन का सपना

लेखक - योगेश कुमार गोयल /ईएमएस

भारतीय खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पधाओं में पिछले कुछ समय से अपने कौशल का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए लगातार सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं। पिछले दिनों बैडमिंटन का दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट थॉमस कप जीतकर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बैडमिंटन के नए युग की शुरूआत का मार्ग प्रशस्त किया था और अब हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में महिला विश्व चैंपियनशिप में भारत की 25 वर्षीया निकहत जरीन ने 52 किलोग्राग वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर एक फिर साबित किया है कि भारतीय खिलाड़ी अब दुनिया में किसी से कम नहीं हैं। निकहत ने फ्लाईवेट फाइनल में थाईलैंड की प्रतिद्वंद्वी जितपोंग जुटामेंस के खिलाफ शानदार लड़ाई लड़ते हुए अपने गोल्डन पंच से मुकाबले में 5-0 के साथ एकतरफा मैच जीता और भारत को बॉक्सिंग में विश्व चैंपियन बना दिया। भारत का विश्व चैंपियनशिप में यह 10वां स्वर्ण पदक है और मैरीकॉम, सरिता देवी, जेनी आरएल तथा लेख केसी के बाद निकहत विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली पांचवीं भारतीय महिला बन गई हैं। अब तक सर्वाधिक बार विश्व चैंपियनशिप जीतने का रिकॉर्ड मैरीकॉम के नाम है, जिन्होंने एक नहीं बल्कि कुल छह बार यह चैंपियनशिप जीती है। मैरीकॉम ने 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018 में खिताब जीते थे जबकि सरिता देवी, जेनी आरएल और लेख केसी ने अपने-अपने भारवर्ग में 2006 की विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते थे। 2018 में मैरीकॉम द्वारा यह चैंपियनशिप जीतने के चार वर्ष बाद भारत स्वर्ण पदक हासिल करने में सफल हुआ है। चैंपियनशिप में भारत की ओर से 12 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था और निकहत मुकाबले के दौरान बेहतरीन फॉर्म में थी, जिन्होंने अपने तकनीकी कौशल का इस्तेमाल करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ने के लिए कोर्ट को अच्छी तरह से कवर किया। निकहत ने थाई मुक्केबाज की तुलना में कहीं अधिक मुक्के मारे। हालांकि दूसरे दौर से मुकाबले को जितपोंग जुटामेंस ने 3-2 से जीत लिया था लेकिन फाइनल राउंड में निकहत उस पर इतनी बुरी तरह से भारी पड़ी कि उन्होंने मुकाबला 5-0 से जीतकर पूरी दुनिया को अहसास करा दिया कि उनके मुक्कों में कितना दम है। सेमीफाइनल में भी निकहत ने ब्राजील की कैरोलिन डी अल्मेडा के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की थी। इस चैंपियनशिप से पहले निकहत ने इसी साल फरवरी में स्ट्रेंडजा मेमोरियल में स्वर्ण पदक जीता था और वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी थी। स्मरण रहे कि निकहत जरीन वही भारतीय बॉक्सर हैं, जो कभी मैरीकॉम को अपना आदर्श मानती थी लेकिन अब वह उन्हीं मैरीकॉम की कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं, जिनके खिलाफ वह अपने हक के लिए लड़ाई भी लड़ चुकी हैं। दरअसल बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) का नियम था कि महिला और पुरुष दोनों ही वर्गों में स्वर्ण और रजत पदक विजेता खिलाड़ियों को ही ओलम्पिक क्वालीफायर में भेजा जाएगा। इसी नियम के तहत छह बार की विश्व चैंपियन मैरीकॉम को ओलम्पिक में बिना ट्रायल 51 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधि बनाया गया था। इसी कारण निकहत को ट्रायल में मैरीकॉम के खिलाफ उतरने भी नहीं दिया गया था। विवाद होने पर तत्कालीन समिति के चेयरमैन का कहना था कि निकहत को भविष्य के लिए सेव कर रहे हैं। हालांकि जब निकहत को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तत्कालीन खेलमंत्री किरण रिजिजू को पत्र लिखकर ट्रायल की मांग कर डाली, जिसके बाद मंत्रालय के दखल पर ट्रायल्स हुए लेकिन उसमें मैरीकॉम ने निकहत पर 9-1 से जीत हासिल की लेकिन दोनों के बीच तल्खी उस समय स्पष्ट देखी गई, जब मैच जीतने के बाद मैरीकॉम ने निकहत से हाथ भी नहीं मिलाया। 14 जून 1996 को तेलंगाना के निजामाबाद शहर में जन्मी निकहत जरीन का खेलों की शुरूआत से दुनिया के शीर्ष तक पहुंचने का सफर एक आम लड़की की भांति चुनौतियों और बाधाओं से भरा रहा। उन्होंने कम उम्र में ही एथलेटिक्स से अपनी प्रैक्टिस शुरू की थी लेकिन अचानक रूझान मुक्केबाजी की ओर हो गया। 13 साल की उम्र में अपने बॉक्सिंग कोच चाचा शमशामुद्दीन के मार्गदर्शन में निकहत ने बॉक्सिंग सीखना शुरू कर दिया। हालांकि निकहत की मां प्रवीण सुल्ताना बेटी की बॉक्सिंग में बढ़ती दिलचस्पी से खुश नहीं थी लेकिन पूर्व फुटबॉलर और क्रिकेटर रहे पिता मुहम्मद जमील अहमद उसे बॉक्सिंग के लिए प्रोत्साहित करते थे। मुस्लिम समाज से होने के कारण रिंग में छोटे कपड़े पहनकर उतरने के कारण उन्हें कुछ लोगों द्वारा अपमानित करने के प्रयास होते रहे और परिवारवालों को भी अक्सर ताने सुनते पड़ते थे लेकिन परिजनों ने इसकी परवाह किए बिना निकहत के अभ्यास और कौशल को निखारने पर ही ध्यान केन्द्रित रखा। पिता के प्रोत्साहन तथा चाचा की ट्रेनिंग के ही चलते निकहत ने धीरे-धीरे सफलता की सीढ़ियां चढ़ना शुरू किया और 2011 में टर्की में केवल 14 साल की उम्र में वूमेंस जूनियर एंड यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में तुर्की की बॉक्सर उल्कु डेमिर को हराकर स्वर्ण पदक जीता। निकहत ने 2014 में बुल्गारिया में यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक और उसी साल रूस में हुए नेशंस कप अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग टूर्नामेंट में पाल्टसिवा इकेटेरिना को हराकर स्वर्ण पदक जीता। 2015 में असम में 16वीं सीनियर वुमेन नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक, 2019 में बैंकाक में थाईलैंड ओपन अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग टूनामेंट में रजत पदक, उसी वर्ष बुल्गारिया में स्ट्रेंडजा मेमोरियल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक और 2022 में बुल्गारिया में हुए स्ट्रेंडजा मेमोरियल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में बुस नाज केकीरोग्लु को हराकर स्वर्ण पदक जीतने के बाद अब वूमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप में निकहत जरीन के गोल्डन पंच भारत के लिए खास हैं। स्ट्रेंडजा मेमोरियल टूर्नामेंट में दो बार स्वर्ण जीतने वाली निकहत पहली भारतीय मुक्केबाज हैं। विश्व चैंपियनशिप जीतने के बाद रिंग की मलिका निकहत की नजरें अब 2024 के पेरिस ओलम्पिक में स्वर्ण पदक पर केन्द्रित हैं। हालांकि माना जा रहा है कि ओलम्पिक के लिए ट्रायल में निकहत का मुकाबला मैरीकॉम से हो सकता है लेकिन निकहत का कहना है कि ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतना अब उसका सपना है और उसके रास्ते में जो भी बाधाएं आएंगी, उन्हें वह पार करेंगी। बहरहाल, निकहत की यह जीत खेलों की दुनिया में आने को बेताब हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकती है।

आज का कार्टून।

ड्रोन की जरूरत

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

दिल्ली के प्रगति मैदान में दो दिवसीय ड्रोन महोत्सव 2022 का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं ड्रोन प्रदर्शनी से प्रभावित हूं। 2030 तक भारत ड्रोन हब बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, यह उत्सव सिर्फ ड्रोन का नहीं, यह नए भारत-नई गवर्नेंस का उत्सव है। ड्रोन टेक्नोलॉजी को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वो अद्भुत है। ये जो ऊर्जा नजर आ रही है, वो भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब है। पीएम ने कहा, यह ऊर्जा भारत में रोजगार सृजन के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती है। उन्होंने कहा, आठ वर्ष पहले यही वो समय था, जब भारत में हमने सुशासन के नए मंत्रों को लागू करने की शुरूआत की थी। आज ड्रोन का प्रयोग हर सेक्टर में किया जा रहा है। आज किसान भी ड्रोन का प्रयोग खेती में कर रहे हैं।

इसकी मदद से देश भर में विकास कार्यों का निरीक्षण करा जा रहा है। ड्रोन तकनीक को लेकर भारत आक्रामक प्रयास कर रहा है। भारत ने अपनी नई ड्रोन नीति तैयार की है, जिसके तहत ड्रोन जैसे तकनीकी उपकरणों के निर्माण और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आक्रामक रुख अख्तियार किया जाएगा। इस साल गणतंत्र दिवस के जश्न में इसकी एक झलक देखने को मिली, जब भारत में निर्मित करीब एक हजार ड्रोन रायसीना पहाडियों के ऊपर एक साथ उड़ाए गए और लयबद्ध उड़ते ड्रोन से आकाश में भारत का नक्शा और महात्मा गांधी की तस्वीर जैसी कई जटिल आकृतियां तैयार की गईं। इस आयोजन के महज 11 दिन बाद ही भारत सरकार ने विदेश निर्मित ड्रोन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया। हाल में किसान ड्रोन योजना की घोषणा की गई, जिसके तहत कृषि कार्यों में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा। हाल तक भारत सरकार का रुख ड्रोन को लेकर ऐसा नहीं था। सामान्य ड्रोन रखना भी नियमों के लिहाज से जटिल कवायद थी। हाल के दिनों में सरकार ने न सिर्फ इसके रखने के नियम आसान बनाए हैं, बल्कि अलग-अलग तरीके के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया है। कृषि संबंधी कामों में ड्रोन के इस्तेमाल की छूट और पीएम स्वामित्व योजना के तहत गांवों में लोगों की संपत्तियों के सर्वे के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक लाख से भी ज्यादा गांवों (17 फीसद गांव) में इस तकनीक से भूमि सर्वे किया जा चुका है। ड्रोन निमार्ता नव उद्यम (स्टार्टअप) कंपनी 'बाटलैब डायनामिक्सइ की संस्थापक सरिता अहलावत के मुताबिक, समूची कवायद के बावजूद ड्रोन को आम दोपहिया जैसा इस्तेमाल करने लायक दौर आने में अभी देरी है। बाटलैब डायनामिक्स ने ही गणतंत्र दिवस पर करतब दिखाने वाले ड्रोन तैयार किए थे। उनका स्टार्टअप दिल्ली आईआईटी के संरक्षण में काम करता है। उनके मुताबिक, भारत का ड्रोन उद्योग अभी ही घरेलू या रक्षा जरूरतें पूरा करने में सक्षम है, लेकिन भारतीय ड्रोन अब भी आयातित चीनी ड्रोन के मुकाबले बेहद महंगे हैं। यही कारण है कि भारत सरकार ने ड्रोन पर प्रतिबंध लगाया है, पुर्जों के आयात पर नहीं। ड्रोन बनाने के लिए जरूरी मोल्डिंग, माइक्रो कंट्रोलर, डायोड और रजिस्टर जैसी चीजों का निर्माण भारत में ना के बराबर होता है। अच्छे ड्रोन के लिए गुणवत्ता वाली मोटर और लीथियम आयन बैटरी का निर्माण भी भारत में नहीं होता। विदेशी ड्रोन पर प्रतिबंध के फैसले की एक वजह सुरक्षा भी है। भारतीय वायुक्षेत्र से चीनी ड्रोन को बाहर रखने की कोशिश है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत दुनियाभर में नामी चीन की ड्रोन निमार्ता कंपनी-एसजेड डीजेआइ टेक्नोलाजी को सुरक्षा लिहाज से भी रोकना चाहता है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट है कि इस कंपनी ने हाल में भारत की कुछ रणनीतिक जानकारियों जैसे पुलों और बांधों की स्थिति का ब्यौरा चीनी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा किए हैं। भारत में ड्रोन निर्माण के लिए जरूरी ढांचा तैयार करने और माहौल बनाने में अभी पांच से दस साल और लगेंगे।

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी। वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाछ्रा के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था। आखिरकार अपनी मेहनत और संकल्प से उसने अपना सपना पूरा किया। वह एक महान वैज्ञानिक बन गया। आज दुनिया उस बालक को माइकल फैराडे के नाम से जानती है।

ड्रोन का बढ़ता बहुआयामी उपयोग

लेखिका- प्रमोद भार्गव (ईएमएस)

ड्रोन देश के लिए बहुआयामी सफलता का उपयोगी उपकरण बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत ड्रोन महोत्सव के उद्घाटन के दौरान ड्रोन उड़ाने के बाद कहा- 'मेरा सपना है कि देश के हर व्यक्ति के हाथ में ड्रोन हो। स्मार्ट फोन हो और हर घर में समृद्धि की बहार हो। ड्रोन तकनीक कृषि क्षेत्र को नए पंख देगी। इससे छोटे किसानों को ताकत मिलेगी। ड्रोन से पता चलेगा कि किस जमीन पर कितनी और कौन सी खाद डालनी है। मिट्टी में किस चीज की कमी है और कितनी सिंचाई करनी है। अभी तक ये सारे कार्य अंदाज से होते थे, जो कम पैदावार और फसल की बबार्दी का कारण बन रहे थे।' वाकई देश में ड्रोन क्रांति रक्षा क्षेत्र के बाद अब कृषि में भी बड़ी भागीदारी करके किसान को मददगार साबित होने जा रही है। केंद्र सरकार ने पिछले साल 15 सितंबर को ड्रोन के इस्तेमाल संबंधी नियमों में ढील दी थी। लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया को आसान बनाया था। सरकार चाहती है कि ड्रोन को मानव राहित फ्लाइंग टैक्सियों के रूप में प्रयोग में लाया जा सके। इस नाते भारत दुनिया के सबसे बड़े ब्रांड को भारत में अपने उत्पाद बनाने और फिर उन्हें दुनिया में निर्यात करने के लिए आकर्षित कर रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने भारत में ड्रोन और उसके कम्पोनेंट (यौगिक) में निर्माण के लिए कंपनियों को पीएलआई योजनाओं के तहत अगले तीन साल के लिए 120 करोड़ रुपये प्रोत्साहन के रूप में घोषणा की है। तकनीकी रूप से दक्ष भारतीय युवाओं को भी स्टार्टअप के तहत यह लाभ मिलेगा। इस नाते सुरक्षा और कृषि क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान की अहम भागीदारी के लिए दो नवीन नीतियां भी वजूद में लाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय अंतरिक्ष संगठन यानी इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) का शुभारंभ कर दिया है। इसके तहत स्पेसकॉम (अंतरिक्ष श्रेणी) और रिमोट सेंसिंग (सुदूर संवेदन) नीतियां जल्द बनेंगी। इन नीतियों से स्पेस और रिमोट क्षेत्रों में निजी और सरकारी भागीदारी के द्वार खुल जाएंगे। वर्तमान में ये दोनों उद्यम ऐसे माध्यम हैं, जिनमें सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर हैं, क्योंकि आजकल घरेलू उपकरण, रक्षा संबंधी, कृषि संचार व दूरसंचार सुविधाएं, हथियार और अंतरिक्ष उपग्रहों से लेकर रॉकेट और मिसाइल ऐसी ही तकनीक से संचालित हैं, जो रिमोट से संचालित और नियंत्रित होते हैं। चंद्र, मंगल और गगनयान भी इन्हीं प्रणालियों से संचालित होते हैं। भविष्य में अंतरिक्ष यात्रा (स्पेस टूरिज्म) के अवसर भी बढ़ रहे हैं। भारत में इस अवसर को बढ़ावा देने के लिए निजी स्तर पर बड़ी मात्रा में निवेश की जरूरत पड़ेगी। 20 जुलाई, 2021 को ब्लू ओरिजन कंपनी ने न्यू शेफर्ड कैप्सूल से चार यात्रियों को अंतरिक्ष की यात्रा कराई थी। ऐसी यात्राओं का सिलसिला आम लोगों के लिए कीमत वसूल कर बड़ी कमाई का माध्यम बनने जा रहे है। घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के नजरिए से सैकड़ों रक्षा उपकरणों के आयात पर पहले से ही रोक लगी हुई है। आयात किए जाने वाले उपकरणों, हथियारों, मिसाइलों, पनडुब्बियों, ड्रोन और हेलिकॉप्टरों का निर्माण अब भारत में होगा। इस मकसद की पूर्ति के लिए आगामी 5 से 7 साल में घरेलू रक्षा उद्योग को करीब चार लाख करोड़ रुपये के ठेके मिलेंगे। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत-मंत्र के आह्वान के तहत रक्षा मंत्रालय अब रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में स्वदेशी निमार्ताओं को बड़ा प्रोत्साहन देने की तैयारी में है। दरअसल अभी तक देश तात्कालिक रक्षा खरीद के उपायों में ही लगा रहा है, लेकिन इस परिप्रेक्ष्य में दीर्घकालिक रणनीति के अंतर्गत स्वदेशी रक्षा उपाय इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि एक समय रूस ने हमें क्रायोजनिक इंजन देने से मना कर दिया था। दूसरी तरफ धनुष तोप के लिए चीन से जो कल-पुर्जे खरीदे थे, वे परीक्षण के दौरान ही नष्ट हो गए थे। इधर चाइनीज ड्रोन गुप्तचरी करते हुए भी निशाना बनाए गए हैं। अमेरिका और चीन के बीच इंटरनेट की दुनिया पर नियंत्रण का संघर्ष तल्ख बना हुआ है।

चीनी हैकर लगातार अमेरिकी व्यावसायिक संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान से युद्ध की स्थिति बनी होने के चलते ऐसा अनुमान है कि भारत 2025 तक रक्षा सामग्री के निर्माण व खरीद में 1.75 लाख करोड़ रुपये या 25 अरब डॉलर खर्च करेगा। वैसे भी भारत शीर्ष वैश्विक रक्षा सामग्री उत्पादन कंपनियों के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में से एक हैं। भारत पिछले आठ वर्षों में सैन्य हार्डवेयर के आयातकों में शामिल है। इन रक्षा जरूरतों की पूर्ति के लिए अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और इजराइल इत्यादि देशों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है, जिसमें उल्लेखनीय कमी आएगी। 2015 से 2019 के बीच सऊदी अरब के बाद भारत दूसरे नंबर पर हथियारों की खरीद करता है। अतैव अच्छा है कि भारत ने ड्रोन निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने का अहम फैसला लिया है। इससे भारतीय कंपनियों की हौसला अफजाई होगी। हमारे नवोन्मेषी वैज्ञानिक व इंजीनियरों को राष्ट्र के लिए कुछ अनूठा करने का गौरव हासिल होगा। अब तक देश में व्यक्तिगत उपयोग वाली पिस्तौलें और सेना के लिए राइफलें बनती हैं। हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने हल्के लड़ाकू विमान तेजस का निर्माण भी किया है। टाटा, महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो कंपनियां मध्यम मारक क्षमता वाली राइफलें बनाती हैं। यदि इन कंपनियों को सर्विलांस, रडार और साइबर संबंधी सामग्रियों का बाजार मिलता है तो इनके निर्माण में भी ये कामयाबी हासिल कर लेगी। साथ ही डीआरडीओ जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को भी प्रोत्साहित करने और उनकी कार्य व उत्पादन क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

सरकार भारतीय उद्योगपतियों को भी रक्षा और कृषि उद्योग में उतारने के लिए प्रेरित करे। मौजूदा दौर में अंबानी, अडानी, टाटा, बिरला, अजीम प्रेमजी जैसे कई उद्योगपति हैं, जिनके पास बड़ी मात्रा में अतिरिक्त पूंजी है। लेकिन वे इस पूंजी को केवल ऐसे आसान उद्योगऔर धंधों में लगाना चाहते हैं, जिनमें मुनाफा तुरंत हो। जबकि रक्षा उद्योग ऐसा क्षेत्र है, जिसमें अत्याधिक पूंजी निवेश के बावजूद देर से लाभ के रास्ते खुलते हैं। किंतु कृषि क्षेत्र में ड्रोन जैसे उपकरणों की बिक्री तुरंत शुरू होगी और अनवरत बनी रहेगी।

प्रसंगतः मक्खी और मुर्गा

बाप रे बाप ! आज तो मैं बहुत ही थक गई मेरी भी जिंदगी क्या है ! मक्खी अपने मित्र मुर्गा से कहने लगी। मर्गा अपने पंजो से जमीन खुरच रहा था। मक्खी की बात सुनकर बोला, 'क्यों? आज तुम्हें इतनी उदासी और थकावट क्यों मालूम हो रही है?' 'अरे, तुम्हें मेरी मुसीबतों का क्या पता ! आज घर से मंडी तक एक ठेले को खींचने पड़ा।' मक्खी बताने लगी। 'क्यों, तुम्हें यह काम कैसे करना पड़ा गया? छकडे पर क्या लदा था?' मुर्गे ने पूछा। मक्खी ने उत्तर दिया, 'तुम तो मिट्टी खोदते रहते हो। तुम्हारे लिए ये सब बात समझना कठिन है। फिर भी बताती हूं। सुनो, मैंने एक आदमी को ठेला खींचते हुए देखा। मैं उसकी पीठ पर बैठ गई। उसके साथ मैं भी वह ठेला खींचकर मंडी तक लाई हूं।' 'अरे, तुममें इतनी ताकत कहां से आ गई? छकड़ा तो, मैंने सुना है, बहुत भारी होता है ! मुर्गे ने अचरज के साथ पूछा। 'भाई, काम करने के लिए दिल और उमंग चाहिए। ताकत तो अपने आप आ जाती है।' बड़े घमंड से मक्खी कहने लगी, 'घर से मंडी तक कई जगह सड़े-गले फल दुकानों पर टंगे हुए दिखाई दिए। मुंह में पानी भर आया। कई बार सोच भी कि रूक जाऊं। लेकिन इस विचार से कि मेरे बिना ये लोग ठेला नहीं खींच पाएंगे, मैं कहीं नहीं रूकी।' 'तुम ठीक कहती हो।' मुर्गे ने कहा। मुर्गे की आंखों में नींद आने लगी था। वह बोला, 'अब मैं सो जाना चाहता हूं, नहीं तो सुबह जल्दी उठना मुश्किल हो जाअगा। तुम तो जानती ही हो कि यह सूरज कितना आलसी है। मेरी 'कुकडु -कं' से ही वह जाग पाता है, नहीं तो सोता ही रह जाए।'

DELHI CRIME 31 may 2022:Layout 1 5/30/2022 6:50 PM Page 3

झमोला की बेटी पायल का नहीं हो पाया पीएम नरेंद्र मोदी से सीधा संवाद

जींद, (हि.स.)। लघु सचिवालय सभागार में पीएम केयर फोर चिल्ड्रन योजना के तहत सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण वीडियो कान्फ्रेंसिंग से सुना गया। कार्यक्रम में गांव झमोला की बेटी पायल ने विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा, जुलाना के विधायक अमरजीत सिंह ढांडा व डीसी डा. मनोज कुमार के साथ बैठकर प्रधानमंत्री का भाषण को सुना। हालांकि पहले पायल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा संवाद का कार्यक्रम थाए लेकिन बाद में शेड्यूल को बदल दिया गया। कार्यक्रम में शामिल पायल को विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा व विधायक अमरजीत सिंह ढांडा ने सम्मानित किया है। जिन बच्चों के माता-पिता का देहांत कोरोना काल में हो गया था। उन्हें प्रधानमंत्री कल्याण कोष से 10 लाख रुपये और आयुष्मान कार्ड योजना तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत 12 हजार रुपये सालाना दिए जा रहे हैं। इसके अलावा 2500 रुपये मासिक एक अन्य योजना के तहत दिए जा रहे हैं और 50 हजार रुपये एक्सग्रेसिया योजना के तहत दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री से सीधा संवाद रद्द होने के बाद दोनों विधायकों ने पायल को सम्मानित किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पायल के माता-पिता का कोरोना की दूसरी लहर के दौरान देहांत हो गया था। उनके पिता एक व्यापारी की गाड़ी चला कर परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। मातापिता के देहांत के बाद पायल अपने दो भाइयों साहिल और गौरव के साथ ताऊ के घर रहती हैं। इसी साल उसने 12वीं कक्षा की परीक्षा दी है।

सोशल वर्कर बन जरूरतमंदों की मदद करने का सपनाः पायल – पायल का कहना है कि उनका सपना सोशल वर्कर बनकर जरूरतमंदों की मदद करना है। समाज में जो अमीर, गरीब, जात-पात और लड़का, लड़की का भेदभाव है उसे वो खत्म करना चाहती है। पायल ने बताया कि सरकार की तरफ से 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता अब तक मिल चुकी है। प्रशासन ने उनको बताया कि 23 वर्ष की आयु के बाद उसको दस लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के दौरान पायल काफी उत्साहित दिखाई दी। इस दौरान उसके साथ उसक दोनों भाइयों के अलावा परिवार के दूसरे सदस्य भी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे। जहां पर परिवार के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरोना काल के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों का उत्साह बढ़ाने पर धन्यवाद किया।डीसी डा. मनोज कुमार ने बताया कि वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सभी ने सुना है। इसके लिए जींद जिले के झमोला निवासी पायल का चयन किया गया था।

सर्वार्थ सिद्धि योग और सुकर्मा योग में हजारों ने किया पिंडदान

जींद, (हि.स.)। पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर सोमवार को सर्वार्थ सिद्धि योग और सुकर्मा योग में आई सोमवती अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान करके करके तर्पण किया। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर रविवार को शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। रविवार की पूरा रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा। सोमवार को तड़के से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यांह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आएं श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। प्रशासन द्वारा कोई ठोस व्यवस्था न किए जाने के चलते तीर्थ पर अव्यवस्थाओं का माहौल रहा। गोहाना रोड पर दोपहर तक जाम की स्थिति बनी रही और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिसकर्मियों को अच्छी खासी मशक्कत का सामना करना पड़ा। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के लिए विभिन्न प्रांतों के लोग श्रद्धालु आते हैं। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या सोमवती अमावस्या कहलाती है। यह इस साल की अंतिम सोमवती अमावस्या भी रही। सोमवार को ही वट सावित्री व्रत और शनि जयंती भी थी। सोमवती अमावस्या के दिन 30 साल बाद शुभ संयोग बना और श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव की पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए विशेष पूजा पाठ किए।

फतेहाबाद में आठ बच्चों को मिल रहा है पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना का लाभ

-पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभार्थियों को वितरित किए आयुष्मान हेल्थ कार्ड व प्रमाण पत्र

फतेहाबाद, (हि.स.)। कोरोना महामारी में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत लाभ एवं सेवाएं ले रहे लाभार्थी बच्चों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवाद स्थापित किया और बच्चों को स्वास्थ्य बीमा आयुष्मान के हेल्थ कार्ड व प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने वर्चुअल कार्यक्रम में अनाथ बच्चों को प्रेरित और प्रोत्साहित भी किया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला फतेहाबाद में भी किया गया। लघु सचिवालय के वीडियो कॉन्फ्रेंस रूप में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभार्थी मौजूद रहे। फतेहाबाद में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन के लाभार्थियों को नगराधीश सुरेश कुमार ने प्रमाण पत्र वितरित किए। नगराधीश ने बताया कि कोरोना महामारी जैसी आपदा के दौर में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना की शुरूआत प्रधानमंत्री द्वारा 29 मई 2021 को की गई थी। इस योजना में जिला के आठ बच्चों को कवर किया गया है जो अब केंद्र व प्रदेश सरकार की जनहित से जुड़ी योजनाओं का पात्र बन अध्ययन कर रहे हैं। यह योजना वित्तीय सहायता, भोजनालय, आवास, स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य बीमा के लिए सहायता प्रदान करती है।

महिला एवं बाल विकास विभाग, डाक विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि विभागों के सहयोग से योजना के क्रियान्वयन के लिए नोडल विभाग है। नगराधीश सुरेश कुमार ने बताया कि इस योजना में चिन्हित बच्चों की आयु 18 वर्ष होने पर 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जबकि डाकघर मासिक आय योजना में 18 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के नाम 10 लाख रुपये की राशि जमा कराई गई है। इसके अलावा बच्चों को 18 वर्ष के बाद से 23 वर्ष की आयु तक मासिक वजीफा प्राप्त होगा। बच्चों को 23 की आयु प्राप्त करने पर 10 लाख रुपये की राशि प्राप्त होगी। इस अवसर पर सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन नरेंद्र मोंगा, सीडब्ल्यूसी सदस्य बिशपति गोदारा, डीसीपीओ प्रदीप कुंडू, पीओ सुरजीत बाजिया, लीगल एडवोकेट बृजेश सेवदा, अधीक्षक परमजीत कौर, शिव कुमार, काउंसलर कुलदीप कौर व शिवदयाल सहित योजना के लाभार्थी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय रेकिंग में हकेवि का प्रदर्शन

-रेंकिंग 2022-23 जारी, हकेवि 39वें पायदान पर

नारनौल, (हि.स.)। भारत की प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग 2022-23 जारी हो गई है। इस रेंकिंग में गवर्मेंट यूनिवर्सिटीज के लिए निर्धारित भारत की उत्कृष्ट गवर्मेंट मल्टीडिसीप्लिनरी यूनिवर्सिटी की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय इस बार वर्ष 2020 की 105वीं व 2021 वर्ष की 93वीं रेंक से आगे बढ़कर 2022 वर्ष में 39वें रेंक पर आ गया है। इसकी जानकारी सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि ईडब्ल्यू इंडिया हॉयर एजुकेशन रेंकिंग 2022-23 में जगह बनाने वाली 2009 में स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दूसरे स्थान पर है। इसी तरह हरियाणा राज्य में विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व विश्वविद्यालय से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष जुड़े सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से साल दर साल विश्वविद्यालय के प्रदर्शन में गुणात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है, वह उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की मेहनत का नतीजा है कि कोरोना के मुश्किल समय में भी उन्होंने अपने कर्त्तव्य का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किया और बीते एक साल में की गई मेहनत का नतीजा है कि 2021 में प्राप्त 93वीं रेंक से आगे बढ़ते हुए 2022 में विश्वविद्यालय 39वीं रेंक पर आ पहुँचा है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन की दिशा में ऐसे ही प्रयासरत रहेगा और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

सोलर वाटर पम्पों का अधिकारियों ने शुरू किया निरीक्षण

-निर्धारित नियमानुसार ही सोलर वाटर पम्प स्थापित करें किसानः एडीसी

फतेहाबाद, (हि.स.)। हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा विभाग के माध्यम से किसानों को खेतों में सिंचाई करने हेतु सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टम 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य सिंचाई की लागत को कम करने के साथ-साथ बिजली की खपत में कमी लाना तथा डीजल पम्प सेटों से होने वाले प्रदूषण से वातावरण को दूषित होने से बचाना व पर्यावरण संरक्षण करना है। अब इस विभाग के पास इन पम्पों को उखाड़ कर किसी अन्य व्यक्ति को बेचने या दूसरी जगह स्थानातरित करने बारे शिकायतें प्राप्त हो रही है जोकि पम्प का दुरूपयोग करने की श्रेणी में आता है। अतिरिक्त उपायुक्त एवं मुख्य परियोजना अधिकारी अजय चोपड़ा ने बताया की विभाग द्वारा स्थापित किए गए स्थान के अलावा इन पंप सेटों को अन्य किसी भी स्थान पर स्थापित नहीं किया जा सकता और न ही इन्हें उखाड़ कर अपने घरेलू बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

इन पंप सेटों को निर्धारित की जगह के अलावा दूसरी किसी भी जगह स्थानांतरित करने या किसी अन्य को यह पंप सेट बेचने पर विभागीय कानूनी कार्यवाही की जाएगी। किसान को दी गई अनुदान राशि की भी वसूली की जाएगी तथा कम्पनी द्वारा दी गई पंप सेट की गारंटी भी खत्म हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बारे में जिला स्तरीय अधिकारी अपने स्तर पर इन पम्पों का निरीक्षण करना शुरू कर दिया है। नियमानुसार पम्प नहीं मिलने पर संबंधित किसान के खिलाफ उचित कार्यवाही की जाएगी।

बिजली कटों से परेशान ग्रामीणों ने किया पावर हाउस पर हंगामा

-एसएसए की कुर्सी पर बैठ गई महिलाएं, नहीं सुनी बिजली कर्मियों की बात

हिसार, (हि.स.)। जिले के गांव खरड़ अलीपुर में बिजली के कटों से परेशान ग्रामीणों ने सोमवार को गांव के पावर हाउस पर हंगामा किया। महिलाओं सहित अनेक ग्रामीणों का आरोप था कि बार-बार बिजली कटों से वे परेशान है और अधिकारी कोई सुनवाई नहीं कर रहे। इस दौरान महिलाएं भी एसएसए की कुर्सी पर बैठ गई और बिजली कर्मियों की बात सुनने से इंकार कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार रविवार सायं आंधी के बाद खरड़ अलीपुर गांव में पूरी रात बिजली नहीं आई तो सोमवार सुबह ग्रामीण भड़क गए। महिलाएं और पुरुष एकत्रित होकर गांव के पास स्थित पावर पर पहुंच गए और वहां पर प्रदर्शन किया। इस बीच ग्रामीण पावर हाउस के कंट्रोल रूम में भी जा पहुंचे, जहां महिलाओं की बिजली कर्मियों के साथ तू तू मैं मैं भी हुई। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में रात और दिन दोनों ही वक्त बिजली के अघोषित कट लगाए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

गांव ने पावर हाउस के लिए जमीन दी है, लेकिन इसके बावजूद बिजली सप्लाई यहां पूरी तरह से लचर है। ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी से लोगों का बुरा हाल है। दिन हो या रात बिजली कभी भी चली जाती है। इंवर्टर भी इससे चार्ज नहीं हो पाते। दिनचर्या के काम भी बिजली न होने से प्रभावित हैं। बिजली के कटों की वजह से न दिन में चैन है और न ही रात को नींद।

फतेहाबाद की बेटी डॉ. सारिका ताखर को मिला राष्ट्र गौरव अवार्ड

फतेहाबाद, (हि.स.)। राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका और योगदान पर तीन दिवसीय मीडिया महाकुंभ का आयोजन पंचकूला में किया गया। इस कार्यक्रम में फतेहाबाद की बेटी और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में मीडिया स्टडीज डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सारिका ताखर बडसरा को राष्ट्र गौरव अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया। पंचकूला के उपायुक्त महावीर कौशिक ने उन्हें यह अवार्ड दिया। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सारिका ताखर बडसरा ने मीडिया के विभिन्न स्तरों पर काम किया है। अनेक मौकों पर उन्होंने मंच संचालन कर वाहावाही लूटी है। डॉ. सारिका ने दूरदर्शन हिसार में न्यूज रीडर और एंकर के रूप में भी अपनी सेवाएं दी है। पिछले दिनों यूथ टॉक विद सीएम कार्यक्रम में डॉ. सारिका ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से बेबाक सवाल भी किया था। मुख्यमंत्री ने उनके सवाल के जवाब में कहा था हरियाणवी है हम दबा नहीं करते। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि लक्ष्य सामने रखकर काम करने से कभी कोई व्यक्ति डरता नहीं है। डॉ सारिका के मीडिया रिसर्च में अनेक पेपर प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. सारिका को राष्ट्र गौरव अवार्ड मिलने पर शहर के प्रबुद्ध लोगों ने उन्हें बधाई दी है और इसे जिले का गौरव व मान बताया है।

बसों की समस्या के विरोध में इनसो ने काटा बवाल

भिवानी, (हि.स.)। बसों की कमी की समस्या को दूर किए जाने की मांग को लेकर लंबे समय से प्रशासन व सरकार से गुहार लगाने के बाद इनसो का सब्र का बांध सोमवार को टूट गया। इनसो जिला अध्यक्ष सेठी धनाना के निदेर्शानुसार तथा जिला मीडिया प्रभारी अपूर्व यादव के नेतृत्व में अन्य पदाधिकारियों ने भिवानी-हांसी रोड़ पर जाम लगाया। सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर बवाल काटा। इस दौरान इनसो पदाधिकारियों ने सरकार व प्रशासन विरोधी जमकर नारेबाजी की। विद्यार्थियों के रोष को देखते हुए पुलिस कर्मचारियों को मौके पर पहुंचे तथा इनसो पदाधिकारियों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाने की कोशिश की, लेकिन इनसो पदाधिकारियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ तथा वे अपनी मांग पर अड़े रहे। इस दौरान पुलिस कर्मचारियों ने इनसो पदाधिकारियों को गिरफ्तार भी किया तथा दो से तीन घंटे बाद उन्हे छोड़ दिया गया। इस मौके पर इनसो जिला अध्यक्ष सेठी धनाना ने कहा कि चौ. छाजूराम चौक के समीप दो महाविद्यालय तथा एक विश्वविद्यालय है, जहां पर बस ना रूकने के कारण विद्यार्थियों को चलती बस से चढना व उतरना पड़ता है, जिससे हमेशा उनकी जान को खतरा बना रहता है तथा कई बार विद्यार्थी चोटिल भी हो चुके है। स्थानीय चौ. छाजूराम चौक पर बस रूकवाने की मांग को लेकर इनसो लंबे समय से प्रशासन व सरकार से गुहार लगा रही है तथा अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं, लेकिन उनकी कही कोई सुनवाई नहीं हो रही। बसों के ठहराव की मांग को लेकर सोमवार को इनसो पदाधिकारियों ने रोड़ जाम किया। इस मौके पर इनसो जिला मीडिया प्रभारी अपूर्व यादव ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान की ओर परिवहन विभाग जराभ्भी ध्यान नहीं दे रहा, जिसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग की लापरवाही के कारण कई विद्यार्थी चोटिल हो चुके है तथा दुर्घटना का भय बना रहता है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बसों की समस्या को जल्द समाधान नहीं हुआ तो इनसो ओर भी उग्र प्रदर्शन करेगा।

निर्माण कार्यों का थर्ड पार्टी एसेसमेंट के बाद होगा भुगतानः अनिल मलिक

फरीदाबाद, (हि.स.)। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल मलिक ने कहा कि एफएमडीए के अंतर्गत होने वाले सभी विकास कार्यों का भुगतान अब थर्ड पार्टी एसेसमेंट (पुर्नरीक्षण) के बाद किया जाएगा। इस पुर्नरीक्षण के बाद भी संबंधित परियोजना में शामिल चीफ इंजीनियर को भी काम को सर्टिफाई करना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य के निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किसी भी बर्दाश्त नहीं होगा और कमी पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई करनी होगी। वे सोमवार को आईएमटी स्थित एफएमडीए कार्यालय में जिला में एफएमडीए के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। मीटिंग के दौरान उन्होंने कहा कि एफएमडीए द्वारा दो 880 करोड़ रुपये के एचएसवीपी के अधूरे कार्य लिए गए थे और इनमें सेक्टर 75 से 89 में बुनियादी सुविधाओं का विकास करना शामिल है। इसके साथ ही 8.81 करोड़ रुपये के पेयजल की परियोजनाएं भी शहर के लिए शामिल हैं। इसके साथ ही अधिकारियों ने बताया कि खेडी व जसाना रोड पर सोसायटियों में पेयजल आपूर्ति के लिए दो करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसके अलावा कई अन्य सडक परियोजनाएं भी शहर में चल रही हैं। उन्होंने मीटिंग में रैनीवैल प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की। इसके साथ मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा पिछली एफएमडीए की मीटिंग में दिए गए निर्देशों की भी क्रमवार ढंग से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न नई सडकों के निर्माण कार्यों में आ रही दिक्कतों के बारे में विस्तार से चर्चा की और निर्देश भी दिए। मीटिंग में एफएमडीए की अतिरिक्त सीईओ डा. गरिमा मित्तल, संयुक्त सीईओ गौरी मिड्ढा सहित इंजीनियरिंग विंग के सभी चीफ इंजीनियर, एक्सईएन व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

गुरुग्राम को मिला दूसरा महिला कालेज, बस स्टैंड, मेडिकल कालेज भी जल्दः सुधीर सिंगला

गुरुग्राम, (हि.स.)। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा यहां 2711 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों की जो घोषणाएं की गई हैं, उनसे निश्चित ही गुरुग्राम का चहुंमुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि लम्बे अर्से बाद मुख्यमंत्री की इतनी बड़ी रैली जिला में आयोजित की गई है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि हरियाणा प्रगति रैली हकीकत में ही हरियाणा की प्रगति को पंख लगा रही है। जिलावार रैलियों की श्रृंखला में मुख्यमंत्री सौगात बांट रहे हैं। गुरुग्राम में अन्य जिलों में अब तक हुई रैलियों में सबसे अधिक राशि से विकास कार्यों की घोषणा मुख्यमंत्री ने की हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले एक-दो महीने में ही गुरुग्राम में कई बड़े प्रोजेक्ट बनकर तैयार हो जाएंगे, जिन पर युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। इनके शुरू होने के बाद गुरुग्राम में कई और समस्याओं का समाधान हो जाएगा। सबसे ज्यादा समस्या यातायात जाम की रहती है। बस अड्डे के पास बनकर लगभग तैयार हो चुके अंडरपास से जाम की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। रैली में ही मुख्यमंत्री मनोहर द्वारा गुरुग्राम में दूसरे राजकीय महिला महाविद्यालय का भी उद्घाटन किया। गुरुग्राम की बेटियों को यहां से बाहर पढ़ाई के लिए नहीं जाना पड़ेगा। उनकी प्राथमिकता अगर गुरुग्राम होगा तो उन्हें यहां दाखिले मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में मुख्य बस स्टैंड के स्थान पर पांच एकड़ जमीन पर सिटी बस स्टैंड बनाने और गुरुग्राम का अंतरराज्यीय मुख्य बस अड्डा गांव सिही में 15 एकड़ भूमि पर बनवाए जाने की भी घोषणा की है। खेलों के लिए मुख्यमंत्री ने 68 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी। वहीं, लोक निर्माण विभाग की 458 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंजूर की। गुरुग्राम में श्रीमाता शीतला मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए टेंडर होने की बात भी मुख्यमंत्री ने जनता के बीच कही। सबसे बड़ी घोषणा गुरुग्राम की 60 अनाधिकृत कालोनियों को नियमित करने की है, इससे इन कालोनियों में हजारों निवासियों को लाभ मिलेगा। उन्हें अधिक से अधिक मूलभूत सुविधाएं मिल सकेंगी। विधायक सुधीर सिंगला ने रैली में भी कहा कि हमें गर्व है कि गुरुग्राम जिला तेजी से विकास कर रहा है। आज प्रदेश में चारों ओर निरंतर विकास हो रहा है जिसके चलते दुनिया भर में भारत की तारीफ हो रही है। मुख्यमंत्री का नारा है कि-ना भ्रष्टाचार करूंगा, ना करने दूंगा। उन्होंने मंच से हमारा भारत-हमारा हरियाणा का नारा दिया।

देश को आजाद कराने में हिंदी पत्रकारिता का बड़ा योगदानः मुकेश वशिष्ठ

गुरुग्राम, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हरियाणा के मीडिया समन्वयक मुकेश वशिष्ठ ने कहा कि 30 मई 1826 को कलकत्ता में भारत का पहला हिंदी अखबार उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन शुरू हुआ। तब से इस दिन को हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्तमान समय में पत्रकारिता चुनौती भरा कार्य हो गया है। यह बात उन्होंने सोमवार को यहां गुरुग्राम विश्वविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर विशेष व्याख्यान में कही। कार्यक्रम का आयोजन गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में कलाम कक्ष में किया गया। इस विचार संगोष्ठी में पत्रकारिता के समक्ष उत्पन्न समस्याओं व चुनौतियों पर चर्चा की गई। मुकेश वशिष्ठ ने आगे कहा कि देश को आजाद कराने में हिंदी पत्रकारिता का बड़ा योगदान है। आजाद भारत में वर्तमान में हिंदी पत्रकारिता का बहुत अहम भूमिका है। उन्होंने कोरोना काल में पत्रकारों के कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि निर्धारित मापदंडों को स्थापित करते हुए लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप अपनी लेखनी का सामाजिक विकास की दिशा में सदुपयोग करना ही पत्रकारिता है।

इस अवसर पर मीडिया अध्ययन विभाग के डीन डॉ. राकेश कुमार योगी ने कहा कि निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोक कल्याणकारी है। आगे डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है। उसे समाज की सही दिशा देने वाली व रचनात्मक खबरों को बढ़ावा देना चाहिए। निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए शहीद होने वाले पत्रकारों गणेश शंकर विद्यार्थी, पराडकर, लाला जगत नारायण व रमेश चंद का स्मरण करते हुए कहा कि इन्होंने कभी लेखनी से समझौता नहीं किया। गुरुग्राम विवि के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित विशेष व्याख्यान में प्रो. प्रताप, प्रो. नीरा वर्मा, डॉ. मीनाक्षी श्योराण, डॉ. श्वेता चौधरी, प्रो. विक्रम और डॉ. दीपिका उपस्थित रहे।

दिल्ली क्राइम प्रेस के टीम लीडर बिनोद की अगुवाई जम्मूई बिहार में मीटिंग का आयोजन किया गया

नेपाल विमान हादसा: 22 लोगों में से 14 के शव बरामद

-नेपाली सेना ने दुर्घटना स्थल से जारी की तस्वीरें

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल की सेना ने सोमवार को उस स्थान का पता लगा लिया, जहां रविवार को नेपाल की निजी एयरलाइंस तारा एयर का 19 सीटर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। नेपाली सेना के मुताबिक 14 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। कुछ लोगों के शवों की पहचान अभी नहीं हो पा रही है। नेपाली सेना ने दुर्घटनास्थल से तस्वीरें जारी की हैं। तारा एयर का 9 एनएईटी जुड़वां इंजन वाला यह विमान रविवार सुबह पहाड़ी जिले में लापता होने के कुछ घंटे बाद मस्टैंग जिले के कोवांग गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें चार भारतीयों सहित 22 लोग सवार थे। पुलिस निरीक्षक राज कुमार तमांग के नेतृत्व में एक टीम हवाई मार्ग से दुर्घटनास्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के कुछ शवों की पहचान अभी नहीं हो पा रही है। फिलहाल, पुलिस अवशेष एकत्र कर रही है। इससे पहले नेपाल की सेना ने बताया कि तारा एयर के विमान की तलाश के लिए सुबह बचाव अभियान फिर शुरू किया गया है।

रविवार को मस्टैंग जिले में बर्फबारी के बाद यह अभियान बंद कर दिया गया था। नेपाल की सेना ने स्थानीय नागरिकों के हवाले से जानकारी दी है कि यह विमान मनापति हिमाल में भूस्खलन की वजह से लामचे नदी के मुहाने पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नेपाल सेना के प्रवक्ता नारायण सिलवाल ने बताया कि खोज एवं बचाव दल ने सोमवार सुबह दुर्घटनास्थल का पता लगाया। लापता विमान का मलबा इलाके में स्थित एक तलहटी में बिखरा मिला है। उल्लेखनीय है कि पोखरा हवाई अड्डे से उड़ा तारा एयर का विमान रविवार सुबह लापता हो गया था। विमान में 19 यात्रियों और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। एयरलाइंस कंपनी के मुताबिक इनमें 13 नेपाली, चार भारतीय और दो जर्मन नागरिक शामिल हैं।

3 माह की जंग के दौरान पहली बार कीव से बाहर निकले जेलेंस्की, खारकीव में क्षति का लिया जायजा

कीव (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन के बीच जंग के 96 दिन बीत चुके हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने खार्किव का दौरा किया। 24 फरवरी को शुरू हुई जंग के बाद से वह पहली बार राजधानी कीव से बाहर निकले हैं। उन्होंने फ्रंटलाइन पर पहुंचकर सैनिकों से मुलाकात की। खार्किव यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। रूसी हमले से शहर खंडहर में तब्दील हो गया है। जेलेंस्की के कार्यालय ने टेलीग्राम पर जेलेंस्की को एक बुलेट-प्रूफ जैकेट पहने खार्किव और उसके आसपास का दौरा करते दिखाया है। टेलीग्राम पोस्ट में कहा गया, खारकीव और क्षेत्र में 2,229 इमारतों को नष्ट कर दिया गया है। हम पुनर्स्थापित करेंगे, पुनर्निर्माण करेंगे और फिर से लोगों को वापस लाएंगे। खार्किव और अन्य सभी कस्बों, गांवों में जहां बुराई आई थी। बता दें कि डोनबास के पूर्वी यूक्रेनी क्षेत्र के नियंत्रण के लिए एक बार फिर लड़ाई रविवार को उग्र हो गई, क्योंकि रूसी सेना ने सेवेरोडनेत्स्क और लिसिचन्स्क के प्रमुख शहरों के आसपास अपनी पकड़ मजबूत कर ली। रूसी सेना आए दिन और ज्यादा आक्रमक होती जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को जेलेंस्की ने अपने दो संबोधनों में देश के पूर्वी हिस्से में हुई सबसे भीषण लड़ाई और यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना पर आखिरकार जीत दर्ज करने की घोषणा की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित किया। इस बीच यूक्रेन ने रूस पर मारियुपोल शहर से स्टील चोरी करने का आरोप लगाया है। यहां की लोकपाल ल्यूडमिला डेनिसोवा ने कहा कि रूस ने मारियुपोल से चुराए गए स्टील को ट्रांसपोर्ट करना शुरू कर दिया है। यहां से 3,000 टन स्टील शिप के जरिए रूस के रोस्तोव-ऑन-डॉन शहर भेजा जा चुका है। डेनिसोवा ने बताया कि मारियुपोल पोर्ट पर रूसी कब्जे से पहले करीब 2 लाख टन मेटल और 170 मिलियन डॉलर कीमत के कास्ट आयरन रखे हुए थे।

टेक्सास स्कूल में गोलाबारी- भयभीत पिता, बेटी के स्कूल के बाहर कर रहा पहरेदारी

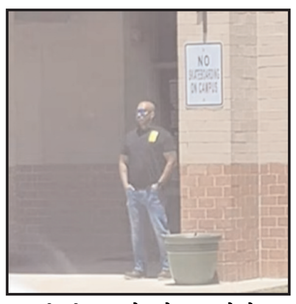

ऑस्टिन (ईएमएस)। अमेरिका में पनप रही गन संस्कृति ने आमजन को भयभीत कर दिया है। टेक्सास स्थित उवाल्दे के एक प्राथमिक स्कूल में गोलीबारी के बाद देशभर के स्कूलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि टेक्सास में स्कूलों के बाहर बच्चों के माता-पिता पहरेदारी कर रहे हैं। एक दिन पहले ही अमेरिकी सेना के एक रिटायर्ड सैनिक एड चेल्बी को अपनी बेटी के स्कूल के बाहर पहरेदारी करते हुए देखा गया था। कुछ ऐसा ही हाल राज्य के अधिकतर स्कूलों का है। एड चेल्बी ने कहा कि उवाल्दे के प्राइमरी स्कूल में हुई गोलीबारी के बाद वह रात को सो नहीं पा रहे थे। जिसके बाद उन्होंने स्कूल प्रशासन से सेगर्ट एलीमेंट्री के बाहर वालेंटरी तौर पर पहरा देने की अनुमति मांगी थी। टेक्सास के एल पासो में 2019 में एक बंदूकधारी ने नस्ली हमले में 23 लोगों की हत्या कर दी थी। इस क्षेत्र के स्कूलों में डर का माहौल है। एल पासो इंडिपेंडेंट स्कूल डिस्ट्रिक्ट में हमले की कई धमकी मिल चुकी है जो बाद में फर्जी पाई गई। जिले के प्रवक्ता गुस्तावो रेवेल्स अकोस्टा ने कहा कि उस घटना के कारण हमारा समुदाय सकते में है। जिले के पुलिस विभाग ने सभी 85 स्कूल परिसरों पर गश्त लगाना शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारियों को यातायात प्रबंधन और अन्य दायित्वों से मुक्त कर गश्त के काम पर लगाया जा रहा है। स्कूलों में कैमरा सर्विलांस प्रणाली सुदृढ़ कर दी गई है। आगंतुकों के लिए स्कूलों में प्रवेश करने से पहले घंटी बजाने और पहचान पत्र दिखाने की व्यवस्था की गई है। उवाल्दे में मंगलवार को हुई गोलीबारी की घटना में 19 छात्रों और दो शिक्षकों की मौत होने के बाद कनेक्टिकट, मिशिगन और न्यूयार्क समेत कई राज्यों में स्कूलों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबट ने कहा कि यूवालडी में एलिमेंट्री स्कूल में हुई गोलीबारी पर पुलिस की जवाबी कार्रवाई के बारे में उन्हें गुमराह किया गया और वह इस बात से नाराज हैं। गवर्नर ने कहा कि उन्होंने अपने पिछले बयान में वही बातें कहीं, जो उन्हें बताई गई थीं। उन्होंने कहा कि मुझे जो जानकारी दी गई, वह कहीं-कहीं सही नहीं निकली। एबट ने कहा कि असल में क्या हुआ, इसकी व्यापक और गहन जांच होनी चाहिये।

चीन के विदेश मंत्री बाइडेन प्रशासन पर भड़के, कहा- अमेरिका का दृष्टिकोण कुछ ज्यादा ही विकृत

बीजिंग (ईएमएस)। चीन और अमेरिका के बीच चल रही खींचतान लगातार जारी है इस बीच चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन के संबंध में अमेरिका का दृष्टिकोण कुछ ज्यादा ही विकृत हो गया है लेकिन बीजिंग ब्लैकमेल या दबाव के आगे नहीं झुकेगा। गौरतलब है कि अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हाल ही में चीन को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए दीर्घावधि में सबसे गंभीर चुनौती करार दिया था। अमेरिका के जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय में ब्लिंकन ने गुरुवार को अपने संबोधन में कहा था कि चीन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी मंशा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में बदलाव लाने की है और उसके पास ऐसा करने के लिए आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य और तकनीकी ताकत भी है। उन्होंने चीन को दीर्घावधि में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और अमेरिका के लिए सबसे गंभीर चुनौती बताया था। उन्होंने कहा था कि चीन निवेश, गठबंधन और प्रतिस्पर्धा की रणनीति के माध्यम से प्रतिस्पर्धा को गंभीर बना रहा है, लेकिन उसे किसी प्रकार के संघर्ष/तनाव से बचना होगा वरना कम्युनिस्ट देश के लिए नया शीत युद्ध शुरू हो जाएगा। चीन के विदेश मंत्री ने पलटवार करते हुए ब्लिंकन के विश्लेषण को अमेरिका द्वारा छवि खराब करने का अभियान करार दिया। फिलहाल प्रशांत देशों की यात्रा कर रहे वांग यी ने कहा कि ब्लिंकन का भाषण चीन के लिए अमेरिका की रणनीति को दिखाता है और इससे पता चलता है कि अमेरिका का दृष्टिकोण बेहद विकृत हो गया है। अमेरिका और चीन कई मुद्दों पर एक दूसरे के खिलाफ हैं। इसमें तिब्बत, ताइवान, हॉन्ग कॉन्ग, दक्षिण चीन सागर, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ चीन के विवाद शामिल हैं। दक्षिण चीन सागर में तो कई मौकों पर अमेरिका और चीन की नौसेना आमने-सामने भी आ चुकी हैं। वहीं, चीन बार-बार ताइवान पर हमला करने की धमकी देकर अमेरिका को उकसाता रहा है। चीन का जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी विवाद है, जबकि ये दोनों देश अमेरिका के करीबी हैं।

यूक्रेन पर रूस के हमले तेज, अब हिटलर वाला थर्माइट बम बरसाया

-गिरते ही पिघला देता है शरीर की चमड़ी

कीव (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन पर रूस का हमला न केवल अभी जारी है बल्कि उसने हमले की तीव्रता बढ़ा दी है। इसी बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि आसमान से आग बरस रही है। दरअसल रूस की तरफ से यूक्रेन पर दागा गया ये एक बम है जिसे थर्माइट कहा जाता है। थर्माइट इतना खतरनाक है कि शरीर पर गिरते ही पूरे खाल और मांस को भेदते हुए हड्डियों तक पहुंच जाता है। इस बम का इस्तेमाल एक युद्ध अपराध है। वीडियो में दिख रहा है कि आसमान से थर्माइट के छोटे-छोटे कण बरस रहे हैं। ये कण आसमान से जलते हुए गिरते हैं। देखने में ये नजारा बहुत सुंदर लगता है, लेकिन ये जितना सुंदर है उतना ही खतरनाक भी है। कथित तौर पर थर्माइट को रूस ने 9एम22एस रॉकेट के जरिए ग्रॉड लॉन्चर से फायर किया है। यूक्रेन के कई पत्रकारों की ओर से ये वीडियो शेयर किया गया है। बताया जा रहा है कि वीडियो डोनबास में नेशनल गार्ड यूनिट के एक सैनिक ने बनाया था। थर्माइट धातु के पाउडर और मेटल ऑक्साइड का मिश्रण है। इस मिश्रण के जरिए इस बम को बनाया जाता है। थर्माइट में एक चिंगारी भी बड़ी आग लगा सकती है। कुछ ही सेकंड में इस कैमिकल का तापमान 2400 सेल्सियस पहुंच जाता है। ये इतना गर्म होता है कि स्टील और कंक्रीट जला कर उसमें छेद कर सकता है। वहीं अगर जलता हुआ थर्माइट किसी व्यक्ति पर गिर जाए तो यह उसके शरीर की ऊपरी परत को भेदता हुआ हड्डियों तक पहुंच जाएगा। ये हथियार इतना खतरनाक है कि ह्यूमन राइट्स वाच ने इसे लेकर पहले भी चेतावनी दी है। इस बम के जरिए भले ही तुरंत मौत न हो लेकिन ये स्किन को जला सकता है। इसके साथ ही श्वास से संबंधित दिक्कतें भी आ सकती हैं। बम बेहद खतरनाक हैं, इस कारण इन्हें युद्ध क्षेत्र में भी नहीं रखा जाता है। इस खतरनाक हथियार का इस्तेमाल दूसरे विश्वयुद्ध में मित्र राष्ट्रों और हिटलर द्वारा फरवरी 1945 में किया गया था, जिसमें करीब 25,000 लोग मारे गए थे।

अमेरिका में गोलीबारी, एक की मौत, सात घायल

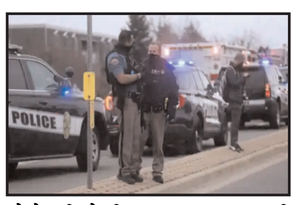

वाशिंगटन, (हि.स.)। बंदूक संस्कृति से घिरे अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर खूनखराबा हुआ है। ओक्लाहोमा में स्मृति दिवस समारोह में की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। अमेरिकी मीडिया में यह घटना सुर्खी बनी है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 24 मई को टेक्सास प्रांत के उवाल्डे शहर में एक स्कूल में एक छात्र ने 19 छात्रों सहित 21 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अधिकारियों ने कहा था कि स्कूल में गोलीबारी करने वाला 18 वर्षीय सल्वाडोर रामोस अपराधिक प्रवृत्ति का नहीं था। वह अपनी दादी को गोली मारने के बाद स्कूल पहुंचा था। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे ढेर कर दिया गया था। इस घटना पर राष्ट्रपति जो बाइडन, उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने संवेदनाएं व्यक्त की थीं। जो बाइडन ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हमें सोचना होगा कि भगवान के नाम पर हम कब बंदूक लाबी के खिलाफ खड़े होंगे और हमें क्या करने की जरूरत है। बाइडन ने कहा था कि बंदूक रखने पर नए प्रतिबंध लागू किए जाएंगे।

यमन में तीन बारूदी सुरंगों में धमाके, पांच की मौत

सना, (हि.स.)। यमन के बंदरगाह शहर होदेइदाह में तीन बारूदी सुरंगों में हुए धमाकों में पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है। एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। बताया गया है कि हाउती विद्रोहियों नद्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों में ये धमाके हुए हैं। पहला विस्फोट होदेइदाह के दक्षिणी हिस्से में हुआ। यहां एक मोटरसाइकिल बारूदी सुरंग की चपेट में आ गई। इस घटना में एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा होदेइदाह के अल हाली जिले में हुए धमाके के एक महिला की मौत हो गई। होदेइदाह के हेज जिले में बारूदी सुरंग में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसका बच्चा घायल हो गया। उल्लेखनीय है कि यमन से 339,431 बारूदी सुरंगों को हटाया जा चुका है।

किम जोंग ने लिया कोरोना की वजह से लागू कठोर प्रतिबंधों में ढील देने का निर्णय

सियोल (ईएमएस)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को एक बैठक के दौरान कड़े महामारी-रोधी प्रतिबंधों में संशोधन पर चर्चा की। उन्होंने इस दावे को दोहराया कि देश में पहली बार आई कोविड-19 की लहर के प्रकोप में कमी आ रही है। उत्तर कोरिया के पोलित ब्यूरो की बैठक में सुझाव दिया गया कि इस महीने ओमीक्रोन के प्रकोप के बाद लगाये गये कठोर प्रतिबंधों में जल्द ही खाद्यान्न और आर्थिक स्थितियों से निपटने के लिहाज से ढील दी जाए। बैठक के दौरान तानाशाह किम जोंग उन और ब्यूरो के अन्य सदस्यों ने देश भर में महामारी की स्थिति को नियंत्रित करने और बेहतर बनाने का सकारात्मक मूल्यांकन किया। ब्यूरो ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए महामारी विरोधी नियमों और दिशानिर्देशों का प्रभावी ढंग से तथा जल्दी समन्वय करते हुए इन्हें लागू करने के मुद्दे का अध्ययन किया। उत्तर कोरिया में रविवार को बुखार के लक्षणों वाले 89,500 नए रोगियों की सूचना मिली, जिससे देश में ऐसे रोगियों की संख्या कुल 34 लाख हो गई है। हालांकि, इसमें यह नहीं बताया कि कितने लोगों की संक्रमण से मौत हुई। देश में शुक्रवार को संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 69 थी और मृत्यु दर 0.002 प्रतिशत थी। कई बाहरी विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया स्पष्ट रूप से किम को राजनीतिक संकट से बचाने के लिए देश में मृत्यु दर को कम कर रहा है, जबकि मृतक संख्या इससे कहीं अधिक होने की आशंका है।

सही उपाय किए जाएं तो मंकीपॉक्स को रोकना संभव : सिल्वी ब्रायंड

जेनेवा (ईएमएस)। यूरोप से लेकर अमेरिका तक मंकीपॉक्स का संक्रमण फैल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, अब तक 20 देशों में 257 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रविवार को कहा कि मंकीपॉक्स वैश्विक स्तर पर समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक मध्यम जोखिम है। उन देशों में मामले सामने आए हैं, जहां आमतौर पर यह बीमारी नहीं पाई जाती है। हालांकि, मंकीपॉक्स पर चेचक की वैक्सीन असरदार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि जिस भी देश में मंकीपॉक्स वायरस के मामले मिले हैं उसने अपना स्वरूप नहीं बदला है। कहने का मतलब यह है कि जिन देशों में इस वायरस की उत्पत्ति हुई उन देशों और जहां ये वायरस फैला उन देशों में समान पाया गया है। इसके स्वरूप में कोई बदलाव नहीं पाया गया है। डब्ल्यूएचओ ने उन देशों को बचाव के लिए तत्काल कदम उठाने की सख्त हिदायत दी जिनमें ये वायरस नहीं फैला है। डब्ल्यूएचओ में वैश्विक संक्रमण खतरों से निपटने के लिए बनाए गए कार्यदल की निदेशक सिल्वी ब्रायंड ने बताया कि हमारे पास मंकीपॉक्स को फैलने से रोकने का मौका है। अगर सही जगहों पर सही उपाय करें तो इसे स्थानीय स्तर पर ही रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि ये वायरस कोरोना वायरस की तरह फैल सकता है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा है कि उसके मुकाबले कम तेजी से फैलता है। अभी व्यापक स्तर पर टीके लगाने की जरूरत नहीं है लेकिन संक्रमण वाली जगहों पर टीकाकरण किया जाना चाहिए। डब्ल्यूएचओ में चेचक सचिवालय के प्रमुख रोजमंड लेविस ने कहा कि संक्रमितों की जांच, उनके संपर्कों की निगरानी और होम आइसोलेशन जैसे उपाय इस बीमारी में भी सर्वाधिक प्रभावी होंगे। अमेरिका ने मंकीपॉक्स के 9 मामलों की पुष्टि की है। अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, पुर्तगाल, स्पेन, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ऑस्ट्रिया, इजराइल और स्विट्जरलैंड सहित कुछ गैर-स्थानिक देशों में भी मंकीपॉक्स के मामलों की रिपोर्ट की गई है। यूरोपीय संघ ने मंकीपॉक्स के 118 मामलों की पुष्टि की है। ब्रिटेन ने 90 मामलों की पुष्टि की है। स्पेन और पुर्तगाल ने 51 और 37 मामलों की पुष्टि की है। कनाडा में 16 मामलों की पुष्टि की गई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि भारत इस बीमारी से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और देश में अभी तक कोई भी मामला सामने नहीं आया है। आईसीएमआर की वैज्ञानिक डॉ अपर्णा मुखर्जी ने कहा है कि हमारी तैयारियां पूरी हैं। आईसीएमआर की ओर से इससे बचने के दिशानिर्देश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने मंकीपॉक्स प्रभावित देशों से आए लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी। भारतीय प्राइवेट हेल्थ डिवाइस कंपनी ट्रिविट्रान हेल्थकेयर ने मंकीपॉक्स यानी आर्थोपॉक्सवायरस का पता लगाने के लिए एक रियल-टाइम आरटी-पीसीआर किट विकसित करने की घोषणा की है। ट्रिविट्रॉन की मंकीपॉक्स रियल-टाइम पीसीआर किट चार रंग फ्लोरोसेंस पर आधारित किट है। ये किट एक ट्यूब में चेचक और मंकीपॉक्स के बीच अंतर कर सकती है। कंपनी का कहना है कि इसमें 1 घंटे का समय लगता है। चार जीन पर आधारित आरटी-पीसीआर किट में पहला व्यापक ऑर्थोपॉक्स ग्रुप में वायरस का पता लगाता है, दूसरा और तीसरा मंकीपॉक्स और चेचक वायरस को अलग करता है।

सूर्य पर हाइड्रोजन और हीलियम ही नहीं, नीयोन, लोहा, सिलिकॉन, मैग्नीशियम और सल्फर भी बड़ी मात्रा में मौजूद

-आईपीएसी के नए अध्ययन में सामने आई जानकारी

वाशिंगटन (ईएमएस)। पृथ्वी पर जीवन होने का सबसे बड़ा कारण सूर्य है। सूर्य अगर न होता तो हमारी दुनिया में अंधेरा छा जाएगा और सबकुछ लगभग खत्म हो जाएगा। सूर्य के कारण ही पेड़ पौधों में प्रकाश संश्लेषण होता है, जिससे हमें ऑक्सीजन मिलता है। क्या आपके दिमाग में कभी यह सवाल आया है कि भला सूरज किस चीज का बना है। वैज्ञानिकों के पास इसका जवाब है, लेकिन अब वह जवाब भी बदलता दिख रहा है। वैज्ञानिकों को पता है कि अंतरिक्ष में मौजूद विशाल गोला गर्म गैसों से बना है। इनमें से 98 फीसदी हाइड्रोजन और हीलियम है। क्योंकि हाइड्रोजन के परमाणु घने वातावरण में फ्यूजन की क्रिया करते हैं और हीलियम बनाते हैं। इस प्रक्रिया में वह ऊर्जा छोड़ते हैं जिससे सूर्य जलता है। लेकिन सूर्य अन्य तत्वों से भी बना है। सूर्य पर कार्बन, नाइट्रोजन और ऑक्सीजन भी प्रचुर मात्रा हैं। हाइड्रोजन और हीलियम से भारी सभी तत्व वहां मौजूद हैं। इन्फ्रारेड प्रोसेसिंग और एनालिसिस सेंटर (आईपीएसी) के मुताबिक सूर्य पर नीयोन, लोहा, सिलिकॉन, मैग्नीशियम और सल्फर भी मौजूद है। हीलियम से भारी सभी तत्व सूर्य पर धातु हैं। सूर्य के बने होने को लेकर समय-समय पर कई रिसर्च हुए हैं। सूर्य के प्रकाश के रंगों के जरिए उसके तत्वों के बारे में जाना गया है। इसके अलावा सूर्य के सिकुड़ने और बढ़ने के जरिए भी उसके तत्वों के बारे में जाना गया है। लेकिन 21वीं सदी से पहले की गई सभी खोज के रिजल्ट अलग-अलग थे। अलग-अलग रिजल्ट की समस्या को हल करने के लिए मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉमी में एकातेरिना मैग और मारिया बर्गमैन के नेतृत्व में सूर्य की संरचना पर अतीत में हुए रिसर्च के रिजल्ट देखे।

उन्होंने हर उस चीज को देखा जो अब तक सूर्य के बारे में पता था। कई मॉडल के जरिए शोधकताओं ने डेटा हासिल किया। नई गणना के मुताबिक पता चला है कि अब तक हम सूर्य को जितना धातु से बना मानते थे यह उससे 26 फीसदी ज्यादा है। ये एक बड़ा बदलाव है। हालांकि सूर्य पर अभी भी सबसे ज्यादा भाग हीलियम और हाइड्रोजन ही है।

बीजिंग में कोविड-19 नियमों के तहत एक पार्क में प्रवेश से पहले लोगों के तापमान की जांच करते हुए एक सुरक्षाकर्मी। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 31 may 2022:Layout 1 5/30/2022 6:50 PM Page 5

असंगठित क्षेत्र में ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड 94 फीसदी श्रमिकों की कमाई 10 हजार रुपये से भी कम

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की न्यूमतम मासिक कमाई सरकारी निर्धारण से भी कम है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 27.69 करोड़ असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों में से 94 प्रतिशत की हर महीने की कमाई 10,000 रुपये से भी कम है। ई-श्रम पोर्टल के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पोर्टल पर पंजीकृत 74 प्रतिशत श्रमिक अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। नवंबर, 2021 में मासिक 10,000 रुपये से कम की कमाई वाले असंगठित क्षेत्र के कामगारों की संख्या 92.37 प्रतिशत थी। उस समय पोर्टल पर आठ करोड़ से कुछ अधिक श्रमिक पंजीकृत थे। उस समय पोर्टल पर पंजीकृत एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के श्रमिकों की संख्या 72.58 प्रतिशत थी। विशेषज्ञों का मानना है कि ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण बढ़ने के साथ पता चलता है कि समाज में काफी असमानता है। इस पोर्टल पर असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों के पंजीकरण का लक्ष्य है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की संख्या करीब 38 करोड़ है। ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य देश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का एक व्यापक डेटाबेस (एनडीयूडब्ल्यू) तैयार करना है। इस पोर्टल को 26 अगस्त, 2021 को शुरू किया गया था। सरकार का इरादा इस पोर्टल के जरिये देश के असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों को कल्याण योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। विशेषज्ञों का कहना है कि असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों का पंजीकरण चालू कैलेंडर साल में पूरा हो जाएगा। इससे राजनीतिक नेतृत्व को समाज के वंचित तबके के लिए एक प्रमाण आधारित नीति बनाने में मदद मिलेगी।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, ई-श्रम पोर्टल पर कुल 27.69 करोड़ असंगठित क्षेत्र के श्रमिक पंजीकृत हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिक काफी गरीबी में जीवनयापन कर रहे हैं और इनमें से ज्यादातर समाज के पिछड़े समुदाय से आते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि पोर्टल पर पंजीकृत 94.11 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की मासिक कमाई 10,000 रुपये से भी कम है। वहीं 4.36 प्रतिशत की कमाई 10,001 से 15,000 रुपये के बीच है।

पोर्टल पर पंजीकृत 74.44 प्रतिशत श्रमिक समाज के पिछड़े वर्ग से आते हैं। इनमें से 45.32 प्रतिशत ओबीसी, 20.95 प्रतिशत एससी और 8.17 प्रतिशत एसटी वर्ग के हैं। सामान्य श्रेणी के श्रमिकों की संख्या 25.56 प्रतिशत है। उम्र के लिहाज से देखा जाए, तो 61.72 प्रतिशत श्रमिकों की आयु 18 से 40 साल और 22.12 प्रतिशत की 40 से 50 साल के बीच है। पोर्टल पर पंजीकृत 13.23 प्रतिशत श्रमिकों की आयु 50 साल से अधिक है। वहीं 2.93 प्रतिशत की आयु 16 से 18 साल के बीच है। पोर्टल पर पंजीकृत 52.81 प्रतिशत श्रमिक महिलाएं और 47.19 प्रतिशत पुरुष हैं। पंजीकरण के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और ओडिशा हैं। पंजीकृत श्रमिकों में सबसे अधिक 52.11 प्रतिशत का मुख्य पेशा खेती है। वहीं 9.93 प्रतिशत घरों में काम करते हैं जबकि 9.13 प्रतिशत निर्माण क्षेत्र में मजदूरी करते हैं।

नेशनल टेक्सटाइल्स कॉरपोरेशन के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने एनसीएलटी की हरी झंडी

एन.टी.सी
NTC
NATIONAL TEXTILE CORPORATION LIMITED
(A Government of India Undertaking)

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की कपड़ा कंपनी नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन (एनटीसी) के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने की हरी झंड़ी राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने ने दे दी है। एनसीएलटी ने एक परिचालन कर्जदाता की याचिका को मंजूर करने के बाद ने का आदेश दिया है। एनसीएलटी की दिल्ली पीठ ने एनटीसी के बोर्ड को निलंबित करने के साथ ही अमित तलवार को अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) नियुक्त किया है। पीठ ने ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों के अनुसार एनटीसी के खिलाफ स्थगन की भी घोषणा की है। एनसीएलटी की दो-सदस्यीय पीठ ने एनटीसी के दावों को भी खारिज करते हुए कहा कि इसके परिचालन लेनदार द्वारा दावा की गई देय राशि पर खड़ा किया गया विवाद सिर्फ एक जबरन खड़ा किया गया विवाद है और करीब 14 लाख रुपये के भुगतान में चूक हुई है। शायद ऐसा पहली बार हुआ है कि आईबीसी कानून लागू होने के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की किसी कंपनी के खिलाफ इस्का क्रियान्वयन किया गया है। एनटसी भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के तहत आती है।

यह पूरे देश में स्थित अपनी 23 मिलों के माध्यम से धागे एवं कपड़े के उत्पादन में लगी हुई है। एनसीएलटी ने एनटीसी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश हीरो सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एचएसईपीएल) की तरफ से दायर याचिका पर दिया है। एचएसईपीएल ने अपनी याचिका में एनटीसी के लिए सोलर रूफटॉप परियोजना लगाने के दो अनुबंधों के लिए 13.84 लाख रुपये के भुगतान में चूक का दावा किया था। यह मामला करीब छह साल पुराने अनुबंध से जुड़ा हुआ है। एनटीसी ने मई, 2016 में तमिलनाडु में कुल 780 किलोवॉट क्षमता की रूफटॉप सौर परियोजनाएं लगाने का ठेका दिया था। इन दोनों परियोजनाओं के अनुबंध के अनुसार, पहली परियोजना के लिए 2.21 करोड़ रुपये और दूसरी परियोजना के लिए 1.86 करोड़ रुपये की राशि क्रमशः दिसंबर, 2016 और अप्रैल, 2017 को काम पूरा होने पर दी जानी थी। लेकिन एनटीसी एचएसईपीएल को इस अनुबंध राशि का पूरा भुगतान करने में विफल रहा और समझौते की शर्तों के खिलाफ 13.84 लाख रुपये की राशि बकाया रही। इस बकाया राशि को आधार बनाते हुए एचएसईपीएल ने दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश देने की अपनी अपनी याचिका में की थी।

भारत की दूसरी सर्वाधिक लाभ कमाने वाली कंपनी का तमगा ओएनजीसी के खाते में

-शेयरधारकों के लिए की लाभांश की घोषणा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पब्लिक सेक्टर की अग्रणी कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने बीते वित्त वर्ष (2021-22) में करीब 40,306 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध मुनाफा कमाया है। कच्चे तेल के उत्पादन पर ऊंची कीमत मिलने की वजह से ओएनजीसी रिकॉर्ड मुनाफा कमा पाई है। इस तरह अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद ओएनजीसी देश की दूसरी सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनी बन गई है। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि बीते वित्त वर्ष में उसका शुद्ध लाभ 258 प्रतिशत के उछाल के साथ 40,305.74 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष (2020-21) में कंपनी ने 11,246.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन वित्त वर्ष में कंपनी को प्रत्येक बैरल कच्चे तेल के उत्पादन और बिक्री पर 76.62 डॉलर मिले। वहीं, इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी को प्रत्येक बैरल कच्चे तेल के उत्पादन पर 42.78 डॉलर मिले थे। 76.62 डॉलर ओएनजीसी को कच्चे तेल के उत्पादन पर मिलने वाली अब तक की सबसे अधिक कीमत है। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद 2021 के आखिर में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और यह करीब 14 साल के उच्चस्तर 139 डॉलर प्रत बैरल पर पहुंच गए। इसी वृद्धि का लाभ ओएनजीसी को भी मिला। बता दें कि 2008 में जब कच्चे तेल के दाम 147 डॉलर प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर थे तब ओएनजीसी को पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनियों को सब्सिडी देनी पड़ी थी जिसकी वजह से उसकी आय कम हुई थी। हालांकि, अब ओएनजीसी को अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के हिसाब से ही भुगतान हो रहा है। इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते वित्त वर्ष में 67,845 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। वित्त वर्ष के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज की आमदनी 7,92,756 करोड रुपये रही थी। उसके बाद टाटा स्टील का स्थान था जिसने बीते वित्त वर्ष 33,011.18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। हालांकि, अब ओएनजीसी ने 40,306 करोड़ के मुनाफे के साथ उसे पीछे छोड़ दिया है। अब टाटा स्टील तीसरे, टीसीएस (38,449 करोड़ रुपये) चौथे और एसबीआई (31,676 करोड़ रुपये) पांचवें स्थान पर है। ओएनजीसी को वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही 8,859.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ मिला है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में हुए 6,733.97 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ से 31.5 फीसदी अधिक है। कंपनी के बोर्ड ने शेयरधारकों के लिए 5 रुपए की फेस वैल्यु वाले शेयर पर 3.5 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड की सिफारिश की है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को एनएसई पर 5.33 फीसदी की गिरावट के साथ 143.80 रुपये पर बंद हुए।

नई एसयूवी सुजुकी विटारा लॉन्च की तैयारी

- क्रेटा और सेल्टॉस को मिलेगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनी मारुति सुजुकी नई एसयूवी सुजुकी विटारा लॉन्च करने की तैयारी में है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में कंपनी की बेस्ट सेलिंग एसयूवी मारुति सुजुकी विटारा ब्रेजा के बाद कंपनी मिडसाइज एसयूवी सेगमेंट में सुजुकी विटारा ला सकती है, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह कंपनी की लग्जरी एसयूवी एस-क्रॉस को रिप्लेस करेगी। कुछ समय पहले इस एसयूवी को हरियाणा के मनेसर स्थित मारुति प्लांट के आसपास देखा गया था। भारतीय सड़कों और लोगों की पसंद का खयाल रखते हुए खासतौर पर बनाई जा रही सी सेगमेंट की इस एसयूवी को मारुति सुजुकी और टोयोटा मोटर्स संयुक्त रूप से डिवेलप करेंगे। भारत में टोयोटा ग्लैंजा और टोयोटा अर्बन क्रूजर के बाद इस एसयूवी को आने वाले समय में टोयोटा और सुजुकी की पार्टनरशइप में सुजुकी के बैनर तले पेश किया जा सकता है। यह अपने सेगमेंट में टाटा हैरियर और स्कोडा कुशाक के साथ ही फॉक्सवैगन टाइगुन जैसी एसयूवी को भी चुनौती देती नजर आएगी। दर-असल, मारुति सुजुकी अब तक मिडसाइज एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने में कामयाब नहीं हो पाई है, ऐसे में कंपनी पूरी कोशिश में लगी है कि मिजसाइज एसयूवी सेगमेंट में कोई ऐसी कार हो, जो बाकी कंपनियों को कड़ी टक्कर दे सके। फिलहाल आपको सुजुकी विटारा एसयूवी के संभावित लुक और फीचर्स के बारे में बताएं तो इसमें विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और टोयोटा अर्बन क्रूजर की झलक दिख सकती है। यह कंपनी की कॉम्पैक्ट एसयूवी विटारा ब्रेजा से ज्यादा बड़ी और आकर्षक होगी। इसमें 1,5 लीटर के सीरीज पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जा सकता है। अपकमिंग सुजुकी विटारा में कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी और ढेर सारे अन्य स्टैंडर्ड फीचर्स के साथ ही अडवांस सेफ्टी फीचर्स भी देखने को मिलेंगे। मारुति सुजुकी इस एसयूवी को 10 लाख रुपये से ज्यादा प्राइस रेंज के साथ इंडियन मार्केट में उतार सकती है। आने वाले समय में भारत में नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ब्रेजा भी लॉन्च होने वाली है, जिसकी संभावित खूबियां जानकर लोगों में जबरदस्त क्रेज है। बता दें कि भारत में कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ ही मिडसाइज एसयूवी की भी खूब डिमांड है और इस सेगमेंट में ह्यूंदै मोटर्स, किआ मोटर्स, टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी कंपनी को चुनौती देने के लिए मारुति सुजुकी भी मैदान में उतर रही है।

रिलायंस ने 2021-22 में सीएसआर गतिविधियों पर 1,185 करोड़ खर्च किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते वित्त वर्ष 2021-22 में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों पर रिकॉर्ड 1,184.93 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। कंपनी की ताजा सीएस-ाआर रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में यह राशि खर्च की है। रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2021-22 में सामाजिक जिम्मेदारी की पहल, स्वास्थ्य और समुदायों की बेहतरी कंपनी के एजेंडा में शीर्ष पर रही। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष के दौरान उसने न केवल अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों, बल्कि आपात स्थिति के दौरान देशभर में लोगों की बेहतरी के लिए यह राशि खर्च की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 में रिलायंस ने जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सीएसआर गतिविधियों पर कुल 1,184.93 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। कंपनी अपनी सीएसआर गतिविधियां का संचालन परमार्थ इकाई रिलायंस फाउंडेशन के जरिये करती है। रिलायंस फाउंडेशन की प्रमुख नीता एम अंबानी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते दो साल सेवा के थे। 2021 की शुरूआत काफी उम्मीदों के साथ हुई थी, लेकिन इस दौरान महामारी की दूसरी लहर के रूप में सबसे बड़ा संकट भी सामने आया, जिसने देश-दुनिया को बुरी तरह प्रभावित किया। रिपोर्ट कहती है कि महामारी के दौरान रिलायंस ने राष्ट्र के समक्ष आ रही जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया। साथ ही समुदायों को महामारी से उबरने और सशक्त करने में भी मदद की। कंपनी ने कहा कि यह सिर्फ सीएसआर के लिए नहीं था। बल्कि यह लोगों के जीवन, सपनों और भविष्य को बचाने के लिए था।

मारुति ऑफ-रोड एसयूवी का 5-डोर वर्जन लाने की तैयारी में

- ये कार महिंद्रा थार की अपकमिंग 5-डोर और फोर्स गु-रखा को देगी टक्कर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी ऑफ-रोड एसयूवी का 5-डोर वर्जन लाने की तैयारी कर रही है। ये कार महिंद्रा थार की अपकमिंग 5-डोर और फोर्स गु-रखा जैसी कारों को टक्कर देगी। मारुति सुजुकी जिम्नी 5-डोर को दो सीटिंग कंफीग्रेशन यानि 5 सीटर और 7 सीटर के लिए तैयार किया जा रहा है। मारुति की इस गाड़ी को लेकर कहा जा रहा है कि फरवरी 2023 में ये कार प्रोडक्शन स्टेज में एंट्री ले सकती है। हालांकि सेमी-कंडक्टर की कमी के चलते इस कार के प्रोडक्शन में देरी भी देखने को मिली है। कुछ रिपोट्र्स में सामने आया है कि कंपनी इस साल जून में ही कार के प्री-प्रोडक्शन से जुड़े कामों को लेकर एक्टिव हो जाएगी। रिपोट्र्स के अनुसार, पहले फेज में इस कार के मॉडल को 70 प्रतिशत स्थानीय स्तर पर सोर्स किए गए पुर्जों से निर्माण किया जाएगा। मारुति सुजुकी इसके बाद धीरे-धीरे लोकलाइजेशन का स्तर बढ़ाएगी। कंपनी का टारगेट है कि शुरूआती कुछ सालों में 75000 यूनिट्स का निर्माण किया जाए। इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इंडो-जापानी कंपनी मारुति सुजुकी को अब तक बोर्ड और अधिकारियों की तरफ से अनुमति नहीं दी गई है।

शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल के बीच म्यूचुअल फंड लगातार पहली पसंद बने

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल के बीच म्यूचुअल फंड लगातार पहली पसंद बने हुए हैं। लंबे समय के लिए निवेश के लिए म्यूचुअल फंड निवेशकों को कभी निराश नहीं करते। म्यूचुअल फंड में आप एकमुश्त या फिर किस्तों में पैसा निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश में पूरी तरह पारदर्शिता रहता है। फंड हाउस के मैनेजर आपका पैसा अलग-अलग स्टॉक में निवेश करते हैं। कितना पैसा किस स्टॉक में लगा रहा है, इसकी पूरी जानकारी आप ऑनलाइन देख सकते हैं। सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी सिप के माध्यम से आप किस्तों में पैसा निवेश कर सकते हैं। एसआईपी का फायदा यह रहता है कि निवेशक को एकमुश्त रकम जमा नहीं करनी पड़ती। वह अपनी सुविधा और इनकम के हिसाब से निवेश कर सकता है। एसआईपी की मदद से समाज के हर वर्ग को निवेश करने की सहूलियत दी है। आप इसमें 100 रुपये भी निवेश कर सकते हैं। नए निवेशकों के लिए सिप बहुत ही फायदेमंद होता है। सिप के कई फायदे हैं। इसके माध्यम से लंबे समय के लिए निवेश किया जाता है। लंबे समय के निवेश पर आपको कम्पाउंडिंग का फायदा मिलता है। सिप से आप म्यूचुअल फंड में महज 100 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकते हैं। सिप की मदद से आप छोटी-छोटी रकम से भी लंबे समय में बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। जो निवेशक मार्केट में ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहता वह एसआईपी से कम जोखिम पर निवेश कर सकता है। एसआईपी की मदद से एक आम व्यक्ति भी नियमित रूप से म्यूचुअल फंड निवेश कर सकता है। इसमें निवेश के लिए बड़ी रकम की जरूरत नहीं पड़ती है। आप बाजार की चाल के अनुसार अपने निवेश को कम या ज्यादा कर सकते हैं। सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के द्वारा अनुशासित निवेश को प्रोत्साहित किया जाता हैं। इनमे लचीलापन होता है। निवेशक किसी भी समय निवेश रोक सकते हैं या निवेश की मात्रा को बढ़ा या घटा सकता है। जिन लोगों को बाजार की कम जानकारी है, इनके लिए एसआईपी एक अच्छा विकल्प है।

दैनिक पंचांग

31 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2022 वर्ष का 151 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 19.19 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 10.01 बजे को समाप्त। **योग** धृति 00.33 बजे रात्र को समाप्त। **करण** किस्तुघ्न 06.08 बजे तदनन्तर बव 19.19 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 00.5 घण्टे

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.18 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क	08.31 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	10.48 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.59 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	15.10 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.25 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.41 बजे से
राहु	मेष में	मकर	21.46 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	23.33 बजे से
राहुकाल		मीन	01.05 बजे से
3.00 से 4.30		मेष	02.36 बजे से
बजे तक		वृष	04.16 बजे से

रवि क्रान्ति उत्तर 21^{0} 53'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871265
जूलियन दिन 2459730.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल
तारीख 29
विशेष चन्द्रदर्शन, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

टाटा मोटर्स से मुकाबले के लिए ह्यूंदै ने भी कसी कमर

-ह्यूंदै वेन्यू इलेक्ट्रिक हो सकती लॉन्च

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया भर में स्वदेशी कंपनी टाटा नेक्सॉन ईवी और टिगोर ईवी के जरिये लोगों के दिलों पर जादू कर रही है। अब भारत में इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में टाटा मोटर्स से मुकालबा करने को ह्यूंदै मोटर्स ने भी कमर कस ली है। मीडिया रिपोर्ट में पता चला है कि आने वाले समय में नेक्सॉन ईवी को टक्कर देने के लिए ह्यूंदै वेन्यू इलेक्ट्रिक भी लॉन्च हो सकती है और यह लुक और फीचर्स के साथ ही बैटरी रेंज के मामले में भी अच्छी होगी। ह्यूंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने हाल ही में कहा है कि साल 2028 तक इंडियन मार्केट में कंपनी की कम से कम 6 इलेक्ट्रिक कारें होंगी। फिलहाल यह कोरियन कंपनी भारत में कोना इलेक्ट्रिक एसयूवी बेचती है और आने वाले समय में आयोनिक 5 इलेक्ट्रिक एसयूवी भी लॉन्च करने वाली है। ह्यूंदै आयोनिक 5 को कोना ईवी से ऊपर रखा जाएगा। आने वाले समय में मास मार्केट के लिए ह्यूंदै मोटर्स एक मिड रेंज इलेक्ट्रिक कार लाने की तैयारी में है, जिसके बारे में गाड़ीवाड़ी की एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि यह ह्यूंदै वेन्यू पर बेस्ड होगी। ऐसे में चचाओं का दौर शुरू हो गया है कि आने वाले समय में ह्यूंदै वेन्यू इलेक्ट्रिक भी लॉन्च हो सकती है। वेन्यू इलेक्ट्रिक का नेक्सॉन ईवी से मुकाबला होगा।आपको बता दें कि भारत में ह्यूंदै मोटर्स जल्द ही अपनी बेस्ट सेलिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्टेड मॉडल लाने वाली है। माना जा रहा है कि 2022 ह्यूंदै वेन्यू फेसलिफ्ट अगले महीने लॉन्च हो सकती है। भारत में कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में टाटा नेक्सॉन और मारुति ब्रेजा का वेन्यू से कड़ा मुकाबला होता है। अपकमिंग वेन्यू फेसलिफ्ट में बेहतर लुक के साथ ही ढेर सारे लेटेस्ट फीचर्स देखने को मिलेंगे। आने वाले समय में ह्यूंदै अपनी बेस्ट सेलिंग कार क्रेटा का भी फेसलिफ्टेड मॉडल लॉन्च करने वाली है। मालूम हो कि भारत समेत दुनियाभर में ऑटोमोबाइल सेक्टर फिलहाल ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां फॉसिल फ्यूल पावर्ड कारों की अपेक्षा लोग इलेक्ट्रिक कारों की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। भारत के संदर्भ में बात करें तो यहां इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में फिलहाल टाटा मोटर्स का दबदबा है।

आज का राशिफल

आज का भाग्य

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि प्रतिपदा, मंगलवासरे, रोहिणी नक्षत्रे, घृत योगे, ववकरणे, वृष की चंद्रमा, द्विपुस्कर योग, सूती स्नान, उग्रकर्म, गृह प्रवेश, गृह निर्माण मुर्हूत औषधि सेवन औषधि निर्वाण मुर्हूत तथापि दक्षिण दिशा यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी तथा सिपाही, कमाण्डर, ब्रिगेडियर, सेना नायक, दस्ता नायक, वाहन कार्य, प्रधान अकाउंटेंट ऑफिसर होगा।

मेष राशि :- बढ़िया यात्रा, विवाद, मातृ कष्ट, व्यय का विरोध होगा किन्तु आंशिक हानि होगी।
वृष राशि :- धन व्यय, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य होंगे, परिणाम अनुकूल बने रहेंगे।
मिथुन राशि :- पितृ-कष्ट, यात्रा, रोग, व्यय, लाभ, अशांति का वातावरण अवश्य बना रहेगा।
कर्क राशि :- यात्रा शुभ, भूमि खेती लाभ, हर्ष, कार्यसिद्ध, गृहकार्य की व्यवस्था पूर्ण होगी।
सिंह राशि :- शत्रु भय, प्रवास, विरोध, लाभ, उद्योग-व्यापार लाभ, कार्य सफल अवश्य होंगे।
कन्या राशि :- लाभ, सिर-नेत्र पीड़ा अवश्य होगी, यात्रा में परेशानी, ध्यान अवश्य दें।
तुला राशि :- सुख-सफलता, निर्माण कार्य, प्रवास, राजकार्य में व्यवस्था से लाभ होगा।
वृश्चिक राशि :- मानसिक तनाव अकस्मिक बढ़ेगा, स्वजनों की सहानुभूति अवश्य होगी।
धनु राशि :- व्यवसाय की उन्नति से आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार हो, विरोध होगा।
मकर राशि :- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारी वर्ग की कृपा का लाभ मिलेगा।
कुंभ राशि :- इष्ट मित्रों से अच्छा सहयोग मिले, उत्तम लाभ के योग अवश्य बनेंगे।
मीन राशि :- गृह कलह, हीन मनोवृत्ति, शरीर पीड़ा तथा परेशानी अवश्य बनेगी।

हार्दिक एक कप्तान के रूप में सीखना चाहते हैं : गैरी कर्स्टन

अहमदाबाद, (हि.स.)। गुजरात टाइटंस ने रविवार को राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर अपना पहला आईपीएल खिताब जीता। खिताबी जीत के बाद, मेंटर गैरी कर्स्टन ने हार्दिक पांड्या की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह काफी विनम्र हैं और पूरे टूनार्मेंट के दौरान एक कप्तान के रूप में सीखने को तत्पर रहे। गुजरात टाइटंस ने रविवार को हार्दिक पांड्या के (34 रन और तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान रॉयल्स को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सात विकेट से हराकर अपना पहला खिताब जीता। मैच के बाद गैरी कर्स्टन ने कहा, "वह शानदार रहा है... वह भारत में एक हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी है, लेकिन वह अविश्वसनीय रूप से विनम्र है, एक कप्तान के रूप में सीखना चाहता है और अपने खिलाड़ियों के साथ जुड़ना चाहता है जो मुझे लगता है कि वास्तव में महत्वपूर्ण है। उसने युवाओं की मदद करने की कोशिश की है, उसने एक अलग जिम्मेदारी निभाई।" दक्षिण अफ्रीका के साथ अपने अनुभव पर, उन्होंने कहा, "आप एक कोच के रूप में सीखना बंद नहीं करते हैं, हर आईपीएल एक सीखने का अनुभव है, यही मुझे आनंद मिलता है। मुझे आशीष नेहरा के साथ काम करना बहुत पसंद है, वह वास्तव में बहुत मजबूत है।" उन्होंने कहा, "हर खेल में बहुत सारे बदलाव होते हैं, लेकिन मैंने जो जिम्मेदारी ली है, वह खिलाड़ियों ने हमारे लिए मैच जीतने के लिए ली है।" खिताबी मुकाबले में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जोश बटलर के 39 और यशस्वी जायसवाल के 22 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 130 रनों का स्कोर खड़ा किया। गुजरात की तरफ से कप्तान हार्दिक पांड्या ने 3, साई किशोर ने 2, राशिद खान, यश दयाल और मोहम्मद शमी ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में गुजरात ने शुभमन गिल के नाबाद 45, हार्दिक के पांड्या के 34 और डेविड मिलर के नाबाद 32 रनों की बदौलत 18.1 ओवर में 3 विकेट पर 133 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। राजस्थान की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, युजवेन्द्र चहल और ट्रेंट बोल्ट ने 1-1 विकेट लिया।

आईपीएल 2022 में चहल और बटलर की जोड़ी का धमाल, हासिल की खास उपलब्धि

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजस्थान रॉयल्स की टीम रविवार को जहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के फाइनल में गुजरात टाइटंस से हार गई, वहीं इसके स्टार खिलाड़ी जोस बटलर और युजवेंद्र चहल की जोड़ी आईपीएल इतिहास में तीसरी ऐसी जोड़ी बन गई है, जिन्होंने एक ही फ्रैंचाइजी से क्रमशः ऑरेंज कैप और पर्पल कैप हासिल किया। आईपीएल के इतिहास में यह केवल तीसरी बार है जब एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला बल्लेबाज और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज एक ही टीम से है। बटलर ने 17 मैचों में 57.53 के औसत और 149.05 के स्ट्राइक रेट से कुल 863 रन बनाए। वहीं, दूसरे स्थान पर 616 रनों के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल हैं। जबकि, युजवेंद्र चहल ने 15वें संस्करण में 17 मैचों में 19.51 की औसत और 7.75 की इकॉनमी से कुल 27 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किया। उनके बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्पिनर वानिंदु हसरंगा थे, जिन्होंने 26 विकेट लिए। इससे पहले 2013 में, चेन्नई सुपर किंग्स के लिए माइकल हसी ने 733 रनों के साथ ऑरेंज कैप हासिल की, जबकि उनके साथी ड्वेन ब्रावो ने 32 विकेट के साथ पर्पल कैप हासिल किया। वहीं, आईपीएल 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद के डेविड वार्नर ने 641 रन के साथ ऑरेंज कैप जीता था, जबकि उनके साथी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने सीजन में 26 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किया था। खिताबी मुकाबले में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जोश बटलर के 39 और यशस्वी जायसवाल के 22 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 130 रनों का स्कोर खड़ा किया। गुजरात की तरफ से कप्तान हार्दिक पांड्या ने 3, साई किशोर ने 2, राशिद खान, यश दयाल और मोहम्मद शमी ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में गुजरात ने शुभमन गिल के नाबाद 45, हार्दिक के पांड्या के 34 और डेविड मिलर के नाबाद 32 रनों की बदौलत 18.1 ओवर में 3 विकेट पर 133 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। राजस्थान की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, युजवेन्द्र चहल और ट्रेंट बोल्ट ने 1-1 विकेट लिया।

ब्रिटिश उच्चायुक्त ने गुजरात टाइटन्स को अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने सोमवार को गुजरात टाइटन्स टीम को अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने पर बधाई दी है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को गुजरात टाइटंस ने पहले चैंपियन राजस्थान रॉयल्स पर सात विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। एलिस ने ऑरेंज कैप धारक जोस बटलर की भी प्रशंसा की जिन्होंने 17 मैचों में 57.53 की औसत से कुल 863 रन बनाए। उन्होंने अपने ट्वीट में सीजन के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले युजवेंद्र चहल का भी जिक्र किया। आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस की खिताबी जीत के बाद, एलेक्स एलिस ने ट्विटर पर लिखा, "गुजरात टाइटन्स को बधाई, राजस्थान रॉयल्स को बधाई और जोस बटलर और युजी चहल को सम्मान।" खिताबी मुकाबले में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जोश बटलर के 39 और यशस्वी जायसवाल के 22 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 130 रनों का स्कोर खड़ा किया। गुजरात की तरफ से कप्तान हार्दिक पांड्या ने 3, साई किशोर ने 2, राशिद खान, यश दयाल और मोहम्मद शमी ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में गुजरात ने शुभमन गिल के नाबाद 45, हार्दिक के पांड्या के 34 और डेविड मिलर के नाबाद 32 रनों की बदौलत 18.1 ओवर में 3 विकेट पर 133 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। राजस्थान की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, युजवेन्द्र चहल और ट्रेंट बोल्ट ने 1-1 विकेट लिया।

राष्ट्रमंडल और टी20 के लिए अभ्यास कर रही तानिया

पुणे (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट की विकेटकीपर बल्लेबाज तानिया भाटिया आजकल राष्ट्रमंडल और विश्व टी20 टीम में जगह पक्की करने के लिए अपने स्ट्राइक रेट पर काम कर रही हैं। तानिया ने कहा है कि वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और अगले साल होने वाले विश्व टी20 से पहले राष्ट्रीय महिला टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहती हैं। इसके लिए उनका ध्यान अपना स्ट्राइक रेट बेहतर करने पर लगा है। 24 साल की यह खिलाड़ी दो साल पहले टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान सिर में गेंद लगने के कारण रिटायर हर्ट' होने के बाद से भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पायी है। उसने पिछले साल इंग्लैंड में तीन एक-दिवसीय खेले थे जिसमें वह दो अवसरों पर केवल सात और दो रन ही बना पायी थी। वह इस साल भी वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एक-दिवसीय मैचों के लिए टीम में थीं पर उसने केवल एक पारी खेलीं और आठ रन ही बना पायी। उसे इस साल न्यूजीलैंड में विश्व कप टीम में शामिल किया गया था पर वहां भी उसे खेलने का अवसर नहीं मिला था। तानिया ने कहा कि मैंने हालातों का स्वीकार कर लिया है। इसी के तहत मैंने विश्व कप के दौरान सोचा कि जब मैं जाऊंगी तो मैं अपनी बल्लेबाजी पर काम करूंगी। मैं जानती थी कि इस इस सत्र में टी20 मैच होंगे, इसलिए मैंने घरेलू टूनार्मेंट के दौरान अपने स्ट्राइक रेट पर काम करना शुरू कर दिया था। इस बल्लेबाज ने कहा, टी20 क्रिकेट में स्ट्राइक रेट और औसत बनाए रखना अहम होता है इसलिए यहां मैंने अपना ध्यान इसी पर लगाए रखा कि हालातों के हिसाब से खेलूं।' तानिया ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भारत को भारतीय टीम को हार से बचाया था। तब तानिया ने स्नेह राणा के साथ 104 रन की नाबाद साझेदारी निभाई थी।

उत्तर प्रदेश ने जीता 12वें जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2022 का खिताब

कोविलपट्टी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश हॉकी ने तमिलनाडु के कोविलपट्टी में खेले गए 12वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2022 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए खिताबी मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने हॉकी चंडीगढ़ को हराकर अपने ताज का सफलतापूर्वक बचाव किया। वहीं, हॉकी हरियाणा ने तीसरे / चौथे स्थान के मैच में ओडिशा के हॉकी संघ को हराकर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। फाइनल में, उत्तर प्रदेश हॉकी ने कड़े मुकाबले में हॉकी चंडीगढ़ को 2-0 से हराया। उत्तर प्रदेश हॉकी के लिए सौरभ आनंद कुशवाहा (4') और कप्तान शारदा नंद तिवारी (33') ने गोल किये फाइनल मुकाबले के बाद उत्तर प्रदेश हॉकी कोच विकास पाल ने कहा, हम इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने के लिए बेहद खुश हैं। हमने पिछली बार से कुछ नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है, और मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि टीम एक साथ काफी अच्छी तरह से जुड़ गई है। कुल मिलाकर, मैं काफी खुश हूं कि टीम ने उन मानकों के अनुसार खेला जो हमने नियमित रूप से प्रशिक्षण में अपने लिए निर्धारित किए थे। तीसरे / चौथे स्थान के प्लेऑफ मैच में हॉकी हरियाणा ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के खिलाफ 3-0 से जीत हासिल की। हॉकी हरियाणा के लिए शुभम (10'), तोशांत (44') और कप्तान विकास (58') ने गोल किए।

भारत में उभरते हुए तेज गेंदबाजों से प्रभावित हैं ब्रेट ली

मुंबई (ईएमएस)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज रहे ब्रेट ली ने भारत में उभरते हुए तेज गेंदबाजों की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में आवेश खान, मोहसिन खान, उमरान मलिक, मुकेश चौधरी, अर्शदीप सिंह जैसे युवा तेज गेंदबाजों ने अपनी प्रतिभा दिखायी है। उन्होंने कहा, भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजों की फौज निकल रही है। यह मुझे काफी पसंद आया। ली ने कहा, उनके पास अच्छे स्पिन विकल्प भी हैं पर निश्चित रूप से अगर आप ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो तेज उछाल वाले विकेटों पर तेज गेंदबाजी कर सकें। उन्होंने कहा कि उमरान मलिक को टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिये। ली ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खराब फार्म को लेकर कहा है उन्हें अपनी लय हासिल करने के लिए ब्रेक ले लेना चाहिये। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के अनुसार विराट का लंबे समय से फार्म में न होना परेशानी का कारण बन सकता है। इससे उबरने के लिए उन्हें तरोताजा होने की जरुरत है। आईपीएल के 15 वें सत्र में भी विराट केवल दो अर्धशतक ही लगा पाये और तीन बार पहली ही गेंद पर आउट हुए। ली ने कहा कि कोहली ने पिछले तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई शतक नहीं लगाया है। आईपीएल में भी वह 16 मैचों में 22.73 की औसत से केवल 341 रन ही बना सके। ली ने कहा, कोहली को लेकर आमतौर पर यह बात रहती है कि जब वह अच्छा करते हैं तो टीम का प्रदर्शन भी अच्छा रहता है और जब वह रन नहीं बनाते हैं तो टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है। हमने 2016 आईपीएल सत्र में देखा है जब वह शानदार लय में थे। उन्होंने 800-900 रन बनाये थे तो टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा, इन हालातों में विराट के लिए अभ्यास में वापस जाने और कुछ चीजों पर काम करने का मौका हो और शायद क्रिकेट से आराम करने से भी उन्हें फायदा होगा। इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए खेल से दूर रहकर दिमाग को तरोताजा करना चाहिये।

फ्रेंच ओपन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जोकोविच और नडाल

पेरिस (ईएमएस)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच और स्पेन के रफल नडाल फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हैं जहां इन दो दिग्गजों का मुकाबला होगा। शीर्ष वरीयत प्राप्त जोकोविच ने अर्जेंटीना के डिएगो श्वाट्र्जमैन को 6-1, 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। जोकोविच ने श्वाट्र्जमैन के खिलाफ पहला सेट आसानी से जीता। वहीं इसके बाद श्वाट्र्जमैन ने दूसरे सेट में लगातार 3 गेम जीतकर 3-0 की बढ़त हासिल की पर जोकोविच ने इसके बाद लगातार सात गेम जीतकर वापसी करते हुए दूसरा सेट जीता और फिर तीसरे सेट में 1-0 से बढ़त हासिल करने के बाद मुकाबला अपने नाम कर लिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल भी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। नडाल ने चौथे दौर में फेलिक्स ऑगर एलिसिमे को 3-6, 6-3, 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। दूसरी ओर महिला वर्ग में अमेरिकी ओपन की उप विजेता कनाडा की लैला फर्नांडिज ने अमांडा एनिसिमोवा परला 6-3, 4-6, 6-3 को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। अब लैला का सामना इटली की मार्टिना ट्रेविसान से होगा। मार्टिना ने एक अन्य मुकाबले में अलीकसांद्रा सासनोविच को 7-6, 7-5 से हराया।

पिकलबॉल : काव्या, इशिका, समीक्षा व गौतमी सेमीफायनल में

:: एकांश, रिदम, शुभम व हार्दिक भी अंतिम चार में ::

इन्दौर (ईएमएस)। इन्दौर गौरव दिवस के उपलक्ष्य में ज़िला प्रशासन, म.प्र. ओलंपिक संघ एवं नगर निगम इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में परसरामपुरिया विद्यालय साउथ राजमोहल्ला में आयोजित खुली पिकलबॉल स्पर्धा के अंडर-19 महिला वर्ग में काव्या जांगिड़, इशिका पाटीदार, समीक्षा जैन व गौतमी देशपांडे ने अपने-अपने समूह में विजेता होकर सेमीफायनल में प्रवेश किया। वहीं अंडर-19 पुरूष वर्ग में एकांश चौहान, रिदम गर्ग, शुभम चहर व हार्दिक बारिया ने अपने-अपने समूह में विजेता होकर अंतिम चार में जगह बनाई।

महिला 19+ महिला वर्ग में अभिरुचि बागोर, संजना काला, दिव्या पवाँर, शुभी व्यास ने अपने समूह में विजेता होकर सेमिफाइनल में प्रवेश किया। स्पर्धा का उद्घाटन रामरिखदास परसरामपुरिया विद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदास गोयल एवं अरुण भटनागर महानिदेशक आयआयएसटी इंदौर के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

इस मौके पर प्रताप दुबे व अशोक चौहान के विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथि स्वागत म.प्र. पिकलबॉल संघ के सचिव बलवंत सालुंके ने किया। संचालन राजेश यशलहा ने किया तथा अशोक चौहान ने आभार व्यक्त किया।

इंडियानापोलिस में रेस जीतने के बाद स्वीडन के मार्कस एरिक्शन जश्न मनाते हुए। (फोटो-ईएमएस)

टीम को जीत दिलाना था लक्ष्य : तेवतिया

अहमदाबाद (ईएमएस)। आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर राहुल तेवतिया ने कहा है कि उनका सत्र की शुरूआत से ही अपनी टीम को जीत दिलाने का लक्ष्य था। तेवतिया ने कहा, किसी ने मुझसे पूछा था कि आपका लक्ष्य क्या है। मैंने कहा था कि मेरा व्यक्तिगत लक्ष्य कुछ नहीं है। एक टीम है सिर्फ टीम को जिताना। नई टीम आई है, नई टीम के साथ खेलेंगे। ट्रॉफी जीतेंगे तो उससे अच्छी बात और भला क्या हो सकती है। तेवतिया ने आईपीएल के 15वें सीजन में 16 मैच खेलते हुए कुल 217 रन बनाए। इस दौरान उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 43 रन रहा है। इस युवा खिलाड़ी ने कहा, नीलामी के बाद लोगों का कहना था कि हमारी टीम में बल्लेबाज कम अनुभवी हैं पर जिस प्रकार का भरोसा हम लोगों पर कप्तान ने दिखाया उससे हमें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली। टीम ने एकजुट होकर प्रयास किये और उसी से हमें जीत मिली है।

एशिया कप: भारत-मलेशिया के बीच मैच 3-3 से ड्रॉ, दिलीप टिर्की ने भारतीय टीम के प्रदर्शन को सराहा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ने एशिया कप 2022 में अपने उत्साही प्रदर्शन को जारी रखते हुए रविवार शाम को सुपर 4 मुकाबले में मलेशिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला। भारत के लिए विष्णुकांत सिंह, एसवी सुनील, नीलम संजीव जेस ने तीन गोल किए। मैच की शुरूआत मलेशिया ने की और टूनार्मेंट के प्रमुख खिलाड़ी रजी रहीम ने पहले क्वॉर्टर में अपनी टीम को एक गोल का फायदा देने के लिए पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदल दिया। रहीम ने इसके बाद दोबारा ऐसा ही किया और मलेशिया ने हाफ टाइम के अंतराल में दो गोल की बढ़त बना ली। इसके बाद विष्णुकांत ने पेनाल्टी कार्नर से भारत के लिए स्कोरिंग की शुरूआत की। फिर एसवी सुनील ने पवन राजभर के बेहतरीन पास को गोल में बदला। इसके बाद नीलम ने एक और पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदलकर स्कोरबोर्ड पर गिनती आगे बढ़ाई, लेकिन मलेशिया ने जल्द ही बराबरी हासिल कर ली और रहीम ने एक बार फिर स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। इस रोमांचक मैच के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व खिलाड़ी दिलीप टिर्की ने सोशल मीडिया हैंडल पर कू पर लिखा, टीम इंडिया ने दो गोल से पिछड़ने के बाद 3-3 से ड्रॉ खेलकर अच्छी वापसी की। सुपर4एस टेबल टॉपर दक्षिण कोरिया के खिलाफ अगला मैच काफी दिलचस्प होने वाला है। अगले मैच का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, भारतीय खिलाड़ी नीलम ने कहा, हम मजबूत होकर वापस आएंगे! उम्मीद है कि टीमों के लिए योगदान जारी रहेगा। आपको बता दें कि सुपर 4 में अंकों के हिसाब से कोरिया शीर्ष पर है, जबकि भारत दूसरे स्थान पर है। वहीं, जापान दो हार के बाद फाइनल में पहुंचने का अवसर गवा चुका है। जबकि शून्य के साथ मलेशिया के पास फाइनल में जाने का अवसर तब बनता है, जब वह जापान को कम से कम 2 गोल से हराए और भारत व कोरिया के बीच होना वाला मैच ड्रॉ पर हो।

DELHI CRIME 31 may 2022:Layout 1 5/30/2022 6:50 PM Page 7

गांव, गरीब व किसानों के हित में समर्पित है मोदी सरकार : तोमर

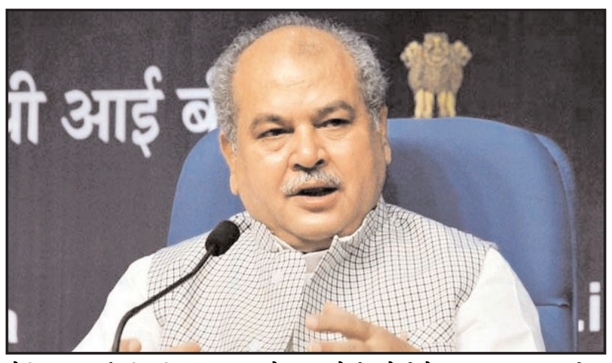

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मोदी सरकार गांव, गरीब व किसानों के हित में समर्पित रही है। तोमर ने रविवार को एक बयान जारी कर मोदी सरकार के सफलतम आठ वर्ष पूरे होने पर देशवासियों को बधाई दी है। तोमर ने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से शुरू की गई अनेकों जनहितकारी योजनाओं के आशातीत परिणाम आ रहे हैं। देश में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र व संतुलित विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक काम किया जा रहा है। तोमर ने कहा प्रधानमंत्री ने पद संभालने के बाद देश के सामने कहा था उनकी सरकार गांव, गरीब किसानों के लिए समर्पित रहेगी, पीएम मोदी ने अपने कार्यकाल में निरंतर इस बात का पालन करने का सफलतम प्रयास किया है।

वरदान साबित हो रहा है जल जीवन मिशन – तोमर ने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर शुरू की गई जल जीवन मिशन लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि गांवों में पीने का साफ पानी सभी को उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन की शुरूआत की गई थी। जो सफलता की ओर अग्रसर है।तोमर ने कहा कि मोदी सरकार की ओर से प्रयास किया जा रहा कि सभी गांवों में सड़कें, हर गरीब को आवास, शौचालय, बिजली, रसोई गैस कनेक्शन देते हुए गैर बराबरी समाप्त किया जाए।

मोदी सरकार ने एमएसपी को डेढ़ गुना किया – तोमर ने कहा कि देश में कृषि क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है, जिसके मद्देनजर प्रधानमंत्री ने किसानों की माली हालत सुधारने की न केवल बात कही, बल्कि इसके लिए अनेक ठोस कदम भी उठाए हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को डेढ़ गुना किया, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से लगभग साढ़े 11 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 1.82 लाख करोड़ रु. जमा किए। किसान साहूकारी लोन से मुक्त हो सकें, इस उद्देश्य से करोड़ों किसान क्रेडिट कार्ड वितरित कर इनके माध्यम से 16 लाख करोड़ रु. का अल्पकालीन लोन दिया गया। प्रधानमंत्री का जोर हमेशा खेती की उन्नति पर रहा है, इसी का परिणाम आज हम देख रहे हैं कि देश में खाद्यान्न प्रचुर मात्रा में है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का हमेशा से यह कहना रहा है कि किसानों को नई टेक्नालॉजी से जुड़ना चाहिए, समूह में खेती करना चाहिए, इसके लिए डिजिटल एग्री मिशन व 10 हजार नए एफपीओ बनाने पर काम चल रहा है, जिससे छोटे किसानों की ताकत बढ़ेगी, खेती में कम लागत आएगी व उत्पादन की वाजिब कीमत उसे मिल सकेगी। तोमर ने कहा कि सिंचाई हो, चाहे जैविक खेती, सभी में किसानों को मदद दी गई है और प्रधानमंत्री मोदी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का कार्यक्रम भी शुरू किया है। भारत सरकार प्राकृतिक खेती के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है। देश में खाद्य पदार्थों का आयात कम हो, इस दृष्टि से भी तेजी से काम किया जा रहा है। 11 हजार करोड़ रु. के खर्च से राष्ट्रीय आयल पाम मिशन प्रारंभ किया गया है, जिससे आयात पर हमारी निर्भरता कम होगी। तोमर ने कहा कि किसान ड्रोन को भी प्रमोट किया जा रहा है और इसकी योजना के अंतर्गत छोटे किसानों सहित विभिन्न वर्गों को सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार से कृषि नीतियों बनाई गईं, किसानों को सुविधाएं और योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने की कोशिश की गई, उससे कृषि क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव आ रहा है। तोमर ने कहा कि आज दुनिया के बाजारों में भारत के कृषि उत्पादों की महत्ता बढ़ गई है, परिणामस्वरूप हमारा कृषि निर्यात लगभग पौने चार लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि हम सभी देश की आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में अमृत महोत्सव से अमृत काल तक के सफल में हमें पुराने संकल्प तेजी से पूरे करते हुए नए संकल्पों को लेकर आगे बढ़ना और आत्मनिर्भर भारत की कल्पना को मूर्त रूप देना है।

पीएम केयर फॉर चिल्ड्रेन की शुरूआत पर शाह ने जताया प्रधानमंत्री मोदी का आभार

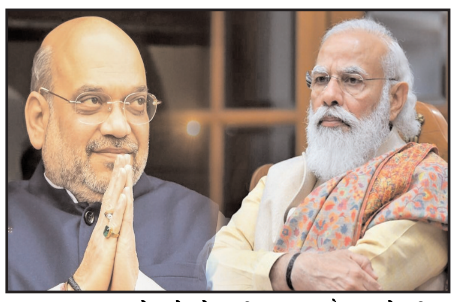

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोरोना में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों की देखभाल के लिए पीएम केयर फॉर चिल्ड्रेन की शुरूआत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। शाह ने सोमवार को ट्वीट कर कहा, कोरोना से अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों की देख-भाल व सुरक्षित भविष्य के लिए पीएम केयर फॉर चिल्ड्रेन की शुरूआत कर प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के प्रति अपनी संवेदनशीलता को पुनः दशार्या है और बताया कि संकट की घड़ी में पूरा देश बच्चों के साथ खड़ा है। इसके लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद। मोदी सरकार के आज-30 मई को आठ वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री ने पीएम केयर फंड के माध्यम से देश के विभिन्न स्थानों पर कोविड के कारण अनाथ हुए बच्चों को चेक दिए गए और उनके लिए स्कॉलरशिप की घोषणा की गई है। भाजपा ने इस अवसर पर आज से देश भर में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण पखवाड़ा की शुरूआत की है जो 14 जून तक चलेगा।

जयंत चौधरी ने राज्यसभा के लिए नामांकन किया

–राज्यसभा में उठायेंगे किसानों व नौजवानों के मुद्दे: जयंत चौधरी

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष चौधरी जयंत चौधरी ने सोमवार को लखनऊ पहुंचकर विधानभवन में राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। जयंत चौधरी ने सपा और रालोद के संयुक्त प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पूर्व पत्रकारों से बातचीत करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि जो विकास के मुद्दे हैं, किसानों व नौजवानों के मुद्दे हैं, उन्हें हम राज्यसभा में उठायेंगे। किसानों को उनका हक दिलाने का काम करेंगे। जयंत चौधरी ने सपा और गठबंधन के सभी कार्यकताओं को धन्यवाद दिया है। सपा ने बहुत बड़ा सम्मान दिया है इसके लिए मैं अखिलेश यादव को धन्यवाद देता हूं। अखिलेश यादव ने कहा कि जयंत चौधरी आज नामांकन किये हैं। हमें खुशी है जयंत सपा और रालोद के प्रत्याशी हैं। गौरतलब हो उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव-2022 भी सपा और रालोद दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ी थीं।

मूसेवाला हत्याकांड की जांच हाई कोर्ट के सिटिंग जज से करवाने का सीएम ने किया ऐलान

चंडीगढ़, (हि.स)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड की जांच पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के मौजूदा जज से करवाने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने यह फैसला मूसेवाला के पिता द्वारा लिखे गए पत्र के बाद लिया है। सोमवार को मूसेवाला के परिजनों ने मानसा में पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह द्वारा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को एक पत्र लिखकर कहा गया कि वह इस हत्याकांड की जांच सीबीआई, एनआईए या फिर हाईकोर्ट के वर्तमान जज के माध्यम से करवाएं। मूसेवाला के पिता द्वारा लिखे गए पत्र में पंजाब पुलिस महानिदेशक द्वारा गैंगस्टरों के संबंध में दिए गए बयान पर भी सवाल उठाए गए। बलकौर सिंह ने कहा कि अगर पुलिस को यह पता था कि मूसेवाला को खतरा है तो फिर उसकी सुरक्षा क्यों कम की गई। इस पत्र के बाद मुख्यमंत्री ने पूरे घटनाक्रम की जांच हाईकोर्ट के मौजूदा जज की अध्यक्षता वाली कमेटी से करवाने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि पंजाब पुलिस महानिदेशक से भी उनके बयान को लेकर जवाब तलब कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला पंजाब की शान रहे हैं। पंजाब सरकार उनके हमलावरों को किसी भी सूरत में नहीं बख्शेगी।

पुलवामा मुठभेड़ में एक और आतंकी ढेर, मरने वाले आतंकियों की संख्या हुई दो

पुलवामा, (हि.स.)। पुलवामा जिले के गुंडीपोरा क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच रविवार शाम से जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक और आतंकी को मार गिराया है। इसके साथ ही मरने वाले आतंकियों की संख्या दो हो गई है। सुरक्षाबलों को मुठभेड़ स्थल से दो राइफलें भी बरामद हुई हैं। रविवार शाम को सुरक्षाबलों को गुंडीपोरा क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली। उसके बाद जम्मू कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने इस पूरे क्षेत्र को घेर कर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों को अपने पास आता देख उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने सबसे पहले आतंकियों को समर्पण करने को कहा लेकिन उन्होंने अनसुना कर सुरक्षाबलों पर गोलीबारी जारी रखी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। देर रात तक सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी थी। सोमवार को सुरक्षाबलों ने इस मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराया है। समाचार लिखे जाने तक सुरक्षाबलों का अभियान जारी था।

4 मंजिला इमारत की बेसमेंट में लगी आग, 5 लोग घायल 52 को बचाया गया

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी दिल्ली में बढ़ती गर्मी के साथ आग लगने की घटनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। ताजा मामला रविवार व सोमवार की दरमियानी रात का है, जिसमें द्वारका स्थित मेन मटियाला रोड पर एक इमारत की बेसमेंट पार्किंग में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान पांच लोग मामूली रूप से घायल हो गये, जबकि 52 लोगों को दमकलकर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, आग में 11 वाहन जलकर खाक हो गए। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि रविवार देर रात 1.30 बजे सूचना मिली कि द्वारका की एक इमारत की पार्किंग स्थल में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग सबसे पहले पार्किंग स्थल में रखे इलेक्ट्रिक मीटर बोर्ड में लगी, जिससे वहां मौजूद मोटरसाइकिल समेत 11 वाहन जल गए। गर्ग ने बताया कि घटना में मामूली रूप से जले पांच लोगों को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग के अनुसार, आग से उठे धुएं के कारण इमारत में रहने वाले सभी 52 लोगों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों मुंडका इलाके में आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि बीते शुक्रवार को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल एवं मक्कड़ मल्टीस्पेशिलिटी अस्पताल में आग लगने की दो घटनाएं सामने आईं थी।

हाल-फिलहाल की आग की घटनाएं

13 मई:– दिल्ली के मुंडका इलाके में एक इमारत में भीषण आग लग गई,जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई।

14 मई: नरेला इलाके में प्लास्टिक का दाना बनाने वाली फैक्टरी में भीषण आग लगी। दमकल की 22 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया ।कोई हताहत नहीं।

17 मई:– दिल्ली के अशोक विहार के जीटी करनाल रोड स्थित अटलांटिस बैंक्वेट हॉल में आग लग गई।

19 मई:– दिल्ली के बवाना इलाके में थिनर फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। 17 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी

19 मई:– दिल्ली के न्यू मुस्तफाबाद इलाके में एक फैक्टरी में धमाके के बाद भीषण आग लगी। एक की मौत, छह गंभीर रूप से घायल।

बम्बीहा गुट ने दी मनकीरत औलख को जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़, (हि.स)। पंजाबी गायक शुभदीप सिंह उर्फ सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद पंजाब में गैंगवार बढ़ने की संभावना तेज हो गई है। मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी लारेंस बिश्नोई गैंग के गोल्डी बराड़ के लेने के बाद दविंदर बम्बीहा गैंग ने कहा है कि मूसेवाला उनका आदमी नहीं था लेकिन वह उसका बदला लेकर रहेगा। इस धमकी के बाद सोमवार सुबह गौंडर एंड ब्रदर नामक फेसबुक पेज पर पंजाबी गायक मनकीरत औलख को जान से मारने की धमकी दी गई है। इस पोस्ट में कहा गया है कि मूसेवाला का कत्ल पैसों के लिए किया गया है। मनकीरत औलख मूसेवाला समेत कई नामी गायकों व कलाकारों की निजी जानकरी गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई गुट के साथ साझा करता है। मनकीरत औलख ने पंजाब पुलिस की सुरक्षा क्यों लौटाई है यह सोच का विषय है। इस पोस्ट में कहा गया है कि कुछ पैसों की खातिर हीरे जैसा जवान छीन लिया है। मूसेवाला हत्याकांड में पंजाबी गायक मनकीरत औलख का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने मनकीरत औलख से पूछताछ करने का फैसला किया है।

राजस्थान से 4 राज्यसभा सीटों के लिए कांग्रेस ने 3, भाजपा ने 1 उम्मीदवार उतारा

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान की चार राज्यसभा सीटों के लिए हो रहे चुनाव में कांग्रेस ने रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक और प्रमोद तिवारी को उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने राजस्थान के किसी नेता को राज्यसभा का टिकट नहीं दिया है। वहीं बीजेपी ने केवल एक उम्मीदवार घनश्याम तिवाड़ी के नाम का ऐलान किया है। चुनाव के लिए 24 मई से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 31 मई आखिरी तारीख है। मौजूदा समीकरणों के हिसाब से कांग्रेस की तीन और बीजेपी की एक राज्यसभा सीट पर जीत पक्की है। कांग्रेस को तीसरी सीट जीतने के लिए निर्दलीयों का सहारा है। कांग्रेस की ओर से घोषित उम्मीदवार मुकुल वासनिक राजस्थान कांग्रेस के लंबे समय तक प्रभारी रह चुके हैं। रणदीप सुरजेवाला राष्ट्रीय महासचिव होने के साथ कांग्रेस कम्युनिकेशन विभाग के प्रमुख हैं। प्रमोद तिवारी यूपी की रामपुर सीट से नौ बार विधायक रहे है। इस बार उन्होंने बेटी को चुनाव लड़वाया। मुकुल वासनिक लंबे समय से सीएम गहलोत के करीबी हैं। रणदीप सुरजेवाला भी गहलोत के करीबी हैं। सियासी संकट के वक्त हुई बाड़ेबंदी में सुरजेवाला पूरे समय साथ रहे और मोर्चा संभाला था। राज्यसभा में कांग्रेस के तीन सांसद पहले से हैं और तीन सीट पर जीत लगभग तय है। अब राज्यसभा में कांग्रेस के छह सांसद हो जाएंगे, लेकिन इनमें से राजस्थान से केवल नीरज डांगी ही है, बाकी सभी बाहरी हैं। इससे पहले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और नीरज डांगी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद हैं। बीजेपी के उम्मीदवार घनश्याम तिवाड़ी (74) दिग्गज नेताओं में शामिल रहे हैं। वे छह बार चुनाव जीतकर राजस्थान विधानसभा के सदस्य रहे हैं। तीन बार सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं। इससे पहले तिवाड़ी 1980 में पहली बार सीकर से विधायक बने थे। इसके बाद वे 1985 से 1989 तक सीकर से ही विधायक रहे। 1993 से 1998 तक चौमूं से विधायक बने। वे जुलाई 1998 से नवंबर 1998 तक भैरोंसिंह शेखावत सरकार में ऊर्जा मंत्री भी रहे। दिसम्बर 2003 से 2008 तक राजे सरकार में शिक्षा मंत्री रहे। 2013 में तिवाड़ी सबसे ज्यादा वोटों से जीतने वाले विधायक भी रहे। पिछली बीजेपी सरकार के वक्त तिवाड़ी ने अपनी भारत वाहिनी पार्टी बनाई। 2018 में सांगानेर विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ा। वह अपनी पार्टी से कोई कैंडिडेट नहीं जिता सके। खुद की भी सांगानेर विधानसभा सीट पर जमानत जब्त हो गई थी। लोकसभा चुनाव से पहले मार्च 2019 में राहुल गांधी ने जयपुर में एक रोड शो किया था। उसी दिन जयपुर के रामलीला मैदान में आयोजित जनसभा में तिवाड़ी ने कांग्रेस जॉइन की थी। 12 दिसम्बर 2020 को उन्हें प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने बीजेपी में घर वापसी करवा दी। बीजेपी जॉइन करते ही तिवाड़ी ने कहा था कि 'मैंने कभी भी कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण ही नहीं की। मेरे मन में हमेशा से भाजपा ही रही है। मैं शुरू से ही संघ से जुड़ा रहा हूं। मैं पार्टी के लिए काम करना चाहता हूं।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

कला सहयोगी-मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

- राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
- वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
- अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
- मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
- अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
- अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
- श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
- नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
- ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
- ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
- फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
- पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400

Customer Care No.

83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹60,000/-
FULL BACK PAGE	₹90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹66,000/-
HALF PAGE INNER	₹36,000/-
HALF PAGE BACK	₹51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-

Visiting Card Size Advertisements:

Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-

Inner Page Rs.3000/-

सुप्रिया पाठक ने मां की मर्जी के खिलाफ की थी पंकज से शादी

-सुप्रिया दिग्गज एक्ट्रेस दीना पाठक की है बेटी

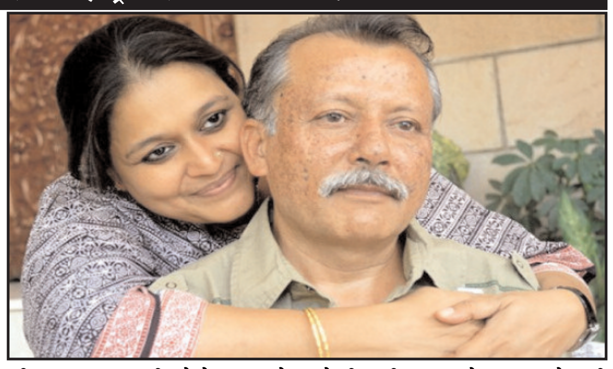

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर पंकज कपूर ने सुप्रिया पाठक से दूसरी शादी की थी। सुप्रिया दिग्गज एक्ट्रेस दीना पाठक की बेटी हैं। सुप्रिया ने जब शादी की बात अपनी से मां की थी तो वह तैयार नहीं हुई थीं। पंकज की प्रोफेशनल लाइफ में काफी उतार-चढ़ाव आया तो वहीं पर्सनल लाइफ भी टूटने-बिखरने और फिर जुड़ने की दिलचस्प कहानी है। जानी-मानी एक्ट्रेस और डांसर नीलिमा अजीम और पंकज कपूर की शादीशुदा जिंदगी में बिखराव आ गया और दोनों ने तलाक ले लिया। इसके के 4 साल बाद पंकज कपूर और सुप्रिया पाठक ने शादी की थी। ये शादी आज तक चल रही है लेकिन ये शादी आसानी से नहीं हुई थी। दरअसल, पंकज और सुप्रिया की मुलाकात एक फिल्म मौसम की शूटिंग के दौरान हुई थी। हालांकि ये फिल्म रिलीज नहीं हुई लेकिन इनकी जिंदगी की बुनियाद रखी गई थी। दोनों एक ही नाव पर सवार थे, दोनों अपनी-अपनी शादी की टूटन से निकलने की कोशिश में थे। पंकज कपूर और सुप्रिया पाठक की मुलाकात बढ़ी दोनों साथ में जॉगिंग करने लगे, घंटों फोन पर बात करने लगे। इस तरह दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे। दो साल तक डेट करने के बाद जब सुप्रिया ने शादी करने से पहले हिचकिचा रहे थे लेकिन बाद में इस मसले को अपने घरवालों के सामने रखा। पंकज के घरवाले तैयार हो गए लेकिन सुप्रिया की मां दीना पाठक अड़ गईं। उन्हें पंकज पसंद नहीं थे। उन्होंने सुप्रिया को बहुत समझाया और शादी नहीं करने के लिए दबाव भी डाला लेकिन मां की मर्जी के खिलाफ सुप्रिया ने पंकज से शादी कर ली। हालांकि बाद में दीना भी पंकज को पसंद करने लगी थीं। सास-दामाद का रिश्ता सुधर गया था। सुप्रिया बेहद सुलझी हुई महिला और एक्ट्रेस हैं। उनका मिजाज ही है कि पंकज की पहली पत्नी नीलिमा के बेटे शाहिद से भी सुप्रिया का प्यार भरा रिश्ता है। मालूम हो कि थियेटर, टीवी और सिनेमा के दिग्गज कलाकार पंकज कपूर करमचंद, ऑफिस-ऑफिस, जबान संभाल के, कब तक पुकारूं जैसे तमाम टीवी धारावाहिक में काम करने के लिए जाने जाते हैं। पंकज एक ऐसे एक्टर हैं जो टीवी और सिनेमा में एक साथ काम करते रहे हैं।

बच्चे के साथ खेलते हुए नजर आ रहे रणबीर कपूर

-रोने वाले इमोजी के साथ आलिया ने दिया रिएक्शन

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर अपनी शादी के बाद से दोनों कई बार एक साथ स्पॉट हो चुके हैं। हाल ही में, रणबीर कपूर का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में रणबीर एक बच्चे के साथ खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि बेबी रणबीर की गोद में खेल रहा है और कैमरे की तरफ देखते हुए हंस रहा है। रणबीर बेबी के माथे पर किस करते और इसके बाद कैमरे की तरफ देखते हुए मुस्कुरा रहे हैं। फैंस रणबीर कपूर के इस वीडियो को पसंद कर ही रहे हैं। उनकी पत्नी और एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने भी इस वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है। आलिया ने इस वीडियो को अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ओके, इस वीडियो में फुल वाइब हैं। उन्होंने अपन कैप्शन में एक रोने वाला इमोजी भी शामिल किया। वीडियो में, रणबीर कपूर ग्रे टी-शर्ट और डेनिम पैंट पहने दिखाई दे रहे हैं, वह हमेशा की तरह कूल और डैपर लग रहे हैं। उन्होंने नीली टोपी भी पहन रखी है। इस बीच, बुधवार को रणबीर अपनी मां नीतू कपूर के साथ मुंबई में फिल्म निमार्ता करण जौहर के 50 वें जन्मदिन के जश्न में शामिल हुए। लेकिन, आलिया इस पार्टी में शामिल नहीं हो सकी क्योंकि वह इन दिनों अपनी डेब्यू हॉलीवुड की पहली फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। आलिया भट्ट हार्ट ऑफ स्टोन से हॉलीवुड में कदम रख रही हैं। वंडर वुमेन फेम गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ काम कर रही हैं। वहीं, आलिया और रणबीर कपूर पहली बार अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र में साथ दिखाई देंगे। इसमें अमिताभ बच्चन और मौनी रॉय भी हैं।

यह 9 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मालूम हो कि बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक हैं। कुछ सालों की डेटिंग के बाद, इस कपल ने अपने रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ाया और इस साल 14 अप्रैल को अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शादी के बंधन में बंधे। दोनों ने मुंबई के बांद्रा स्थित राजकपूर के घर वास्तु में शादी की। शादी के बाद, दोनों ने मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों और खास दोस्तों के लिए एक रिसेप्शन भी दिया।

बन्नी चाउ होम डेलिवरी शो से निखत करेंगी टीवी डेब्यू

-बालीवुड एक्टर आमिर खान की बहन है निखत

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर आमिर खान के दोनों भाईयों के बाद अब उनकी बड़ी बहन निखत खान एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। टीवी पर डेब्यू करके निखत पहली बार एक्टिंग के मैदान में उतने जा रही हैं। आमिर खान की बहन निखत खान पहली बार स्टार प्लस के बन्नी चाउ होम डेलिवरी शो से अपना टीवी डेब्यू करेंगी। खबर है कि शो में वह एक महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगी, जिनकी एंट्री से शो में दर्शकों को कई ट्विस्ट और टर्न्स देखने को मिलेंगे। अपनी इस नई पारी को लेकर निखत काफी एक्साइटेड हैं। शो में अपने रोल को लेकर उन्होंने कहा, मैं स्टार प्लस के शो बन्नी चाउ होम डिलीवरी में अपने रोल को लेकर बहुत ही एक्साइटेड हूं। इससे पहले मैं बड़े पर्दे पर कई अलग-अलग किरदार निभा चुकी हैं, लेकिन टीवी शो के जरिए मैं पहली बार अपने दर्शकों के दिलों तक पहुंचने की पूरी-पूरी कोशिश करूंगी। दिया और बाती हम के मेकर्स जिन्होंने संध्या की प्रेरक कहानी को घर-घर तक पहुंचाया और हर छोटे शहर की लड़की को हौसले की उड़ान भरने की हिम्मत दी। इसी कहानी को ध्यान में रखते हुए शशि और सुमित प्रोडक्शन और चैनल मिलकर बन्नी की अद्भुत कहानी को लेकर आ रहा है, जिसका प्रोमो लोगों के सामने है। शो का मुख्य किरदार बन्नी एक्ट्रेस उल्का गुप्ता निभाने वाली हैं। ये शो बन्नी नाम की एक लड़की के बारे में है, जो घर का खाना बनाकर बांटने से जुड़ा व्यवसाय चलाती है। वह बहुत ही कॉन्फिडेंट है, जिसका किरदार निश्चित रूप से प्रेरित करने वाला है। यह शो स्टार प्लस पर 30 मई से प्रसारित होगा। बता दें कि आमिर खान के एक्टिंग का हुनर तो आपने देखा है। आमिर के साथ उनके भाई फैजल खान को भी अपने मेला जैसी फिल्मों में एक्टिंग करते देखा है।

तारा सुतारिया ने सोशल मीडिया पर बताई अर्जुन कपूर की गलती

तारा सुतारिया और अर्जुन कपूर फिल्म एक विलेन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के जरिए दोनों पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर करेंगे। शूट के दौरान दोनों के बीच अच्छा बॉन्ड बन गया है। लेकिन हाल ही में तारा ने सोशल मीडिया पर अर्जुन की एक गलती बता दी और इसके बाद तो अर्जुन ने कह दिया कि अब जब एक विलेन 2 के प्रमोशन होंगे तब तारा ही उनके पोस्ट के कैप्शन लिखेंगी। दोनों के बीच की ये बातचीत काफी मजेदार है और फैंस को भी दोनों का ये अंदाज पसंद आया। अब हुआ कुछ ऐसा कि अर्जुन कपूर ने अपना एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह वर्कआउट कर रहे हैं। कभी वह स्किपिंग कर रहे हैं, कभी बॉक्सिंग। इस वीडियो को शेयर कर अर्जुन ने लिखा, 'नैनीताल में वीकेंड ऐसे एंजॉय कर रहा हूं।' इंग्लिश में अर्जुन ने गलती से इन नैनीताल की जगह ऐट नैनीताल लिख दिया।

'कान फिल्म फेस्टिवल' में भारत का प्रतिनिधित्व करना गर्व और सम्मान की बात : हिना खान

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री हिना खान ने कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने को जीवन का बेहतरीन अनुभव बताया है। सन 2019 के दौरान फ्रेंच रिवेरा में उनका डेब्यू और 2022 में उनका दूसरा आउटिंग भी ऐसा अनुभव रहा है, जो उन्हें हमेशा याद रहेगा। हिना ने बताया कि वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना बहुत बड़ी बात है और मैं इसे एक बहुत ही उच्च सम्मान मानती हूं। मुझे खुशी है कि मुझे अपनी दोनों कान्स उपस्थितियों में ऐसा करना होगा। प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में हिना की इंडो-इंग्लिश फिल्म 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' के पोस्टर लॉन्च किए गए। हिना ने खुलासा किया कि मुझे याद है कि लाइन्स का पोस्टर लॉन्च किया गया था और तब पोस्टर की बहुत प्रशंसा की गई। यह प्रशंसा तब और बढ़ गई जब मैने 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' का पोस्टर लॉन्च किया। दोनों फिल्में मेरे दिल के बहुत करीब रही है। हिना ने यह भी बताया कि कान्स में उनकी उपस्थिति उनके लिए बहुत मायने क्यों रखती है। हिना ने बताया कान एक ऐसा मंच है जहां विभिन्न फिल्म बिरादरी सिनेमा का जश्न मनाने और अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक साथ आते हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मैं इस मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। फिल्म समारोह 2020 में ऑनलाइन आयोजित किया गया था और कोविड महामारी के कारण कई उपस्थित लोग 2021 में इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके थे।

पवन कल्याण के लिए 'मेजर' की विशेष स्क्रीनिंग करेंगे अदीवी शेष

हैदराबाद (ईएमएस)। अदीवी शेष अभिनीत 'मेजर' की पहले से ही प्री-स्क्रीनिंग शुरू हो गई है और पुणे में आयोजित फिल्म को प्रीमियर पर स्टैंडिंग ओवेशन मिला है। इस वजह से फिल्म के लिए फैंस का उत्साह और बढ़ गया है। अदीवी शेष ने कहा वह तेलुगु हस्तियों और गणमान्य व्यक्तियों के लिए 'मेजर' की विशेष स्क्रीनिंग की योजना बना रहे हैं। अदीवी शेष ने कहा कि वह अभिनेता पवन कल्याण के लिए एक विशेष शो की व्यवस्था करेंगे। अदीवी शेष से यह अनुरोध एक ट्विटर उपयोगकर्ता ने किया था, जिस-के जवाब में गुडाचारी अभिनेता ने यूजर से ऐसा करने का वादा किया था। इससे पहले अदीवी शेष ने पवन कल्याण के साथ 'पंजा' में स्क्रीन शेयर की थी। बताया जाता है कि 'मेजर' की टीम की स्पेशल स्क्रीनिंग भी होगी, जिस पर टीम जल्द ही घोषणा करेगी। फिल्म का निर्देशन शशि किरण टिक्का ने किया है और इसमें सई मांजरेकर ने अभिनेता की प्रेमिका रोल किया है। फिल्म में सोबिथा धूलिपाला, प्रकाश राज, रेवती, और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। श्रीचरण पकाला के संगीत वाली 'मेजर' 3 जून को रिलीज होगी।

सोनू सूद ने कहा- साउथ फिल्मों ने मुझे बुरी हिंदी फिल्मों से बचाया है

सोनू सूद हिंदी फिल्मों के अलावा साउथ फिल्मों में भी काम करते हैं। वैसे बता दें कि सोनू ने तमिल फिल्म से अपने करियर की शुरूआत की थी और फिर उन्होंने तेलुगु फिल्म में काम किया था। इसके बाद सोनू ने हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शु-रूआत की। साल 2002 में सोनू ने शहीद ए आजम से हिंदी फिल्मों में एंट्री ली। अभी सोनू की कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं जिसमें हिंदी और साउथ दोनों की फिल्में शामिल हैं। इसी बीच अब सोनू ने हिंदी और साउथ फिल्मों को लेकर ऐसा स्टेटमेंट दिया है जो वायरल हो रहा है। सोनू ने कहा कि साउथ इंडियन फिल्मों में काम करने से वह बुरी हिंदी फिल्मों में काम करने से बचते हैं। सोनू ने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी स्क्रिप्ट्स को लेकर चूजी रहा हूं चाहे मैं तमिल, तेलुगु या हिंदी फिल्में। साउथ फिल्में मुझे बुरी हिंदी फिल्मों को करने से बचाती हैं। नहीं तो ऐसा फेज आता है जब आप सिर्फ इसलिए काम करते हैं कि आपको सिर्फ बड़ी फिल्म में होना होता है। तो साउथ फिल्में मुझे इन सबसे दूर रखती हैं।' बता दें कि सोनू हाल ही में तेलुगु फिल्म आचार्य में नजर आए थे। फिल्म में वह विलेन के किरदार में थे। फिल्म में सोनू के साथ चिरंजीवी और राम चरण लीड रोल में थे। अब सोनू फिल्म पृथ्वीराज में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अक्षय, पृथ्वीराज का किरादर निभा रहे हैं। वहीं मानुषी छिल्लर, संयोगिता का। वहीं सोनू फिल्म में कवि चांद बरदाई का किरदार निभा रहे हैं।

सिद्धार्थ शुक्ला को रश्मि देसाई ने किया याद

बीते साल 2 सितंबर को अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था, इस खबर को सुनकर हर कोई हैरान रह गया था। किसी को भी यकीन नहीं हुआ था कि सिद्धार्थ का निधन हो गया है। सिद्धार्थ के गुजर जाने के बाद फैन्स से लेकर सेलेब्स तक ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। सिद्धार्थ के करीबी दोस्तों में शुमार अभिनेत्री रश्मि देसाई, दिवंगत अभिनेता के घर गई थीं और इसके लिए उन्हें काफी ट्रोल भी किया गया था। सिद्धार्थ और रश्मि एक वक्त पर काफी करीब हुआ करते थे, वहीं कई बार उनके बीच लड़ाईयां भी देखने को मिलीं। बालिका वधु, दिल से दिल तक और बिग बॉस 13 में सिद्धार्थ-रश्मि एक साथ नजर आए थे। रश्मि देसाई ने हाल ही में इंटरव्यू में उन्होंने सिद्धार्थ को भी याद किया। सिद्धार्थ के निधन पर रश्मि को ट्रोल किए जाने पर उन्होंने कहा, 'तब तक मैं अपने आपको बहुत मजबूत बना चुकी थी या हो सकता है हर्टलेस बना चुकी थी, मैं बहुत सच्चाई से कहूंगी क्योंकि मेरी निजी जिंदगी में भी बहुत कुछ चल रहा था और सिद्धार्थ के साथ जब मैंने शो किया था, उसने मुझे बहुत करीब से जाना है और मैं उसे करीब से जानती थी तो हमें एक दूसरे को काफी सारी चीजें पता थीं।' रश्मि ने आगे कहा, 'हमारी लड़ाई अलग वजह से होती थी.. मैं उसे हमेशा एक बात बोलती थी कि बड़ी बॉडी में एक 10 साल का बच्चा है और वो ऐसा ही था और अपनी शर्तों पे वो जिया है। काम के हिसाब से भी उसका अच्छा था और मेरा अलग तरीके से चल रहा था, तो एक दायरा हम अपने लिए सेट कर चुके मेच्योर लेवल पे। लोगों ने बहुत प्यार दिया और उतना ही हेट भी किया है क्योंकि जो हमारी बीच की जर्नी थी, वो हमारे तक ही सीमित थी, जो हमने बात ही नहीं की और मुझे भी नहीं चाहिए था और उससे भी नहीं था।'

मलयालम सिंगर एडवा बशीर का लाइव कॉन्सर्ट के बीच हुआ निधन

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज गायक एडवा बशीर का 78 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से जहां मनोरंजन जगत में शोक की लहर है, वहीं अब उनके निधन से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल रिपोर्ट्स के सिंगर का यह वीडियो कल रात उनके आखिरी कॉन्सर्ट का है। सिंगर केरल के अलाप्पुझा में ब्लू डायमंड ऑर्केस्ट्रा मंडली के स्वर्ण जयंती के मौके पर चीफ गेस्ट के तौर पर कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने प्लेबैक सिंगर के.जे. येसुदास का गाना गाया। वीडियो में सिंगर एडवा बशीर स्टेज पर खड़े होकर परफॉर्म कर रहे हैं। एडवा येसुदास का गाना माना हो तुम बहुत हसीना को गाने के लिए स्टेज पर गए रहे हैं और इस गाने के खत्म होते ही वह स्टेज पर बेहोश हो गए।हालांकि इसके बाद सिंगर को आनन-फानन में नजदीक के प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। ये घटना बीती रात करीब 9.30 बजे की बताई जा रही है। वहीं सोशल मीडिया पर उनके आखिरी कॉन्सर्ट का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। एडवा बशीर जाने माने गायक थे। उन्होंने वीना वायिकुम गाने से फिल्म इंडस्ट्री मं डेब्यू किया था और अपनी खूबसूरत आवाज और गायिकी से दर्शकों के दिलों को जीता था। उनका निधन संगीत जगत की अपूरणीय क्षति है।

सारे शादीशुदा मर्दों को सॉरी बोल देना चाहिए : वरुण

वरुण धवन और कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'जुगजुग जियो' के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। प्रमोशन के दौरान वरुण से एक रिपोर्टर ने एक्टर की शादी को लेकर सवाल किया। वरुण से जब पूछा गया कि झगड़ा होने पर कौन माफी मांगता है? एक्टर ने अपनी सक्सेसफुल शादी के सीक्रेट का खुलासा करते हुए वाइजली रिप्लाई दिया। जब वरुण से पूछा गया कि नताशा के साथ उनके रिश्ते में सॉरी कौन बोलता है? एक्टर ने जवाब देते हुए कहा, "मैं ही यार सॉरी बोलता हूं। कौनसी ऐसी शादी है जहां मर्द को नहीं मानना पड़ता। मुझे लगता है कि आप अगर गलत हैं तो आपको माफी मांगनी चाहिए। सॉरी बोलने से कोई छोटा नहीं बनता है। सारे शादीशुदा मर्दों और सारे बॉयफ्रेंड्स से मेरी तो यही सलाह है। सॉरी सिर्फ एक शब्द है और जब आप गलत हैं तो मांग लो माफी।" वरुण की अपकमिंग फिल्म 'जुगजुग जियो' दो शादियों के इर्द-गिर्द घूमती है। वरुण फिल्म में कियारा आडवाणी, अनिल कपूर, नीतू कपूर, प्राजक्ता कोली और मनीष पॉल के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे।

सूडोकु नवताल- 6087

★★★✫✩ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6086 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्दजाल - 6834

शब्दजाल में 'गोविंदा' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मुकाबला,राजा बाबू, दुलारा, प्रेमशक्ति, दुल्हे राजा,साजन चले ससुराल,शिकारी, अलबेला,हत्या,राजाजी

मु	हु	मे	रि	दु	ला	रा	ल	च	ट	र्जी
का	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
ब	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	द	ह	प	ल
ला	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	ह	ला	कि	यो	प	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	य	र	ह	त्या	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	शि	का	री	टि	ल
बां	स	सा	ज	न	च	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल - 6833 का हल

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	की	म	को	ह	रा	म	ल	ख	म
मि	स	स	क	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	दु
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	रिं
क	व	रि	फ्यू	जी	प	बा	ज	ती	व	दा
श	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	अ	ग्रि	सा	क्षी	डि	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5787

3		4	6			7
	32		32	1	30	3
1		5		3		2
	35		35		32	
7		6		4		
	34	1	34	5	28	4
4	3	2			1	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5786 का हल

3	1	4	6	2	5	7
5	32	7	32	1	30	3
1	6	5	4	3	7	2
2	26	3	37	7	37	6
4	3	2	7	6	1	5
6	34	1	34	5	28	4
7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी

Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in